विशाल इंडिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 215 | गौतमबुद्धनगर, बुधवार 03 जूलाई 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

नोएडा में महिला कारोबारी से ठगे 3.15 करोड़

P- 4

आगरा में पेड़ से टकराई कार, 3 दोस्तों की मौत, गाय को बचाने के चक्कर

P- 5

पड़ोस के पलटूराम फिर पटलने को तैयार, आधी रात को हुई सीक्रेट मीटिंग

P- 6

टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला

हैप्पी मॉर्निंग

पत्नी- तुम शराब में बहुत पैसे बरबाद करते हो, अब बंद करो
पति- और तुम ब्यूटी पार्लर में 5000 का कबाड़ा करके आती हो
उसका क्या? पत्नी- वो तो मैं तुम्हें सुंदर लगूं इसलिए
पति- पगली तो में भी तो इसलिए पीता हूं कि तू मुझे सुंदर लगे।

शायरी

एक ईमानदार किसान को डरे सहमे हुए देखा है,
मेहनत करने के बावजूद भूख से लड़ते हुए देखा है!

अर्थसार

सेंसेक्स:
79,441.45
-34.73 (0.044%)
निफ्टी:
24,123.85
-18.10

मौसम

अधिकतम : 32 डिग्री से0
न्यूनतम : 27 डिग्री से
सूयोदय गुरुवार : 5 : 30
सूर्यास्त बुधवार : 7 : 34

हाथरस में सत्संग के बाद भगदड़, 116 की मौत

शवों को देख हार्टअटैक से पुलिसवाले की मौत

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के बाद भगदड़ मच गई। कुचलने से 116 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। कई लोगों की हालत गंभीर है। ऐसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। हादसा हाथरस जिले से 47 किमी दूर फुलरई गांव में मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ।

हादसे के बाद अस्पतालों में हालात भयावह हो गए। लाशों और घायलों को बस और टैंपो में भरकर सिकंदराराऊ सीएचसी और एटा जिला अस्पताल, अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज भेजा गया। सीएचसी के बाहर शव जमीन पर इधर-उधर बिखरे पड़े थे। भास्कर ने डॉक्टर से पूछा तो वह मौत का आंकड़ा नहीं बता पाए।

एटा के सीएमओ उमेश त्रिपाठी ने बताया- एटा के जिला अस्पताल में अब तक 27 शव पहुंचे हैं। यानी, कुल 116 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात ऐसे रहे कि लाशों को ओढ़ाने के लिए चादर तक नहीं थी। घायल जमीन पर तड़प रहे थे। उनका इलाज करने के लिए डॉक्टर नहीं थे।

मृतकों में ज्यादातर हाथरस, बदायूं और पश्चिम यूपी के जिलों के लोग हैं। इधर, एटा में लाशों का ढेर देखकर ड्यूटी पर तैनात सिपाही रजनेश (30) को हार्ट अटैक आ गया। साथी उसे डॉक्टर के पास ले गए, लेकिन उसकी मौत हो गई। हालांकि एटा एसएसपी ने सिपाही के मौत की वजह बीमारी बताई है।

लाश उठाने तक के लिए लोग नहीं, अफसर खड़े देखते रहे

हादसे में हाथरस प्रशासन की भयंकर चूक सामने आई है। कार्यक्रम की अनुमति देने से लेकर हादसे के बाद तक प्रशासन लाचार नजर आया। सुबह लाखों की भीड़ कार्यक्रम स्थल पहुंच चुकी थी, लेकिन सत्संग स्थल पर कोई भी बड़ा अफसर मौजूद नहीं था। सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। कुछ पुलिसवाले थे, वह भी इधर-उधर टहल रहे थे। परिजन ही रोते-बिलखते शवों को उठा रहे थे। अफसर खड़े देखते रहे। न कार्यक्रम स्थल में और न ही अस्पताल में कोई इंतजाम था।

ऐसे हुआ हादसा- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सत्संग के बाद श्रद्धालु बाबा के काफिले के पीछे उनकी चरण रज लेने के लिए दौड़े। भीड़ को काबू में करने के लिए पानी की बौछारें फेंकी गई। लोग भागने लगे, तभी एक-दूसरे पर गिरते गए.. कुचलने से इतनी मौतें हुईं।

दो मंत्री, सीएस और डीजीपी घटनास्थल पर पहुंचे

सीएम योगी के निर्देश पर मुख्य सचिव मनोज सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। तीन मंत्री- संदीप सिंह, असीम अरुण और चौधरी लक्ष्मी नारायण भी कैंप कर रहे हैं। घटना की जांच के लिए एडीजी आगरा और अलीगढ़ कमिश्नर की टीम बनाई गई है। डीएम ने बताया कि एसडीएम ने कार्यक्रम की अनुमति दी थी। आयोजक मंडल के 22 लोगों के खिलाफ केस दर्ज हो गया है। योगी ने कहा कि हाथरस की घटना हादसा है या साजिश, इसकी जांच होगी।

हाथस प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया

हाथरस में भगद् में हुई मौत के बाद परिजनों की सहायता के लिए जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी कर दिया है। इस पर मृतकों और घायलों के बारे में जानकारी ली जा सकती है। प्रशासन ने इसके लिए 05722227041 और 05722227042 नंबर जारी किया है। माना जा रहा है कि भोले बाबा के सत्संग में बड़े पैमाने पर यूपी के आसपास के राज्यों से भी लोग पहुंचे थे। ऐसे में इन लोगों के परिजनों को सूचना के लिए यह हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है।

पंजाब में बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठिया को मार गिराया

भारत-पाक बॉर्डर से घुसने की कोशिश कर रहा था; शव लेने से किया इनकार

एजेंसी

फाजिल्का। पंजाब के फाजिल्का में सोमवार देर रात भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास पाकिस्तानी नागरिक ने घुसपैठ की कोशिश की। बीओपी सादकी के पास बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के जवान युवक की मूवमेंट का पता चलते ही सतर्क हो गए।

पहले जवानों ने युवक को रुकने के लिए कहा। जब वह नहीं रुका तो जवानों ने उस पर फायरिंग कर दी। 3 गोलियां लगने के कारण युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जवानों ने चेकिंग की तो उसके कब्जे से पर्स, सिगरेट, ईयरफोन और तंबाकू मिला। बीएसएफ जवानों ने इसके बाद तुरंत घटना की जानकारी अधिकारियों को दी।

फाजिल्का के डीएसपी शुबेग सिंह ने बताया कि भारत-पाक सीमा की सादकी पोस्ट के पास घुसपैठ करने के कारण की गई गोलीबारी के दौरान पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई। उसका शव कब्जे में ले लिया है। पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। युवक की पहचान की कोशिश की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह भारत की सीमा में क्यों दाखिल हो रहा था।

बीएसएफ के साथ पाकिस्तान की हुई बैठक के बाद पाकिस्तान ने पाक नागरिक के शव को लेने से इनकार कर दिया है।

मोदी ने डर फैलाया, कांग्रेस के पास है अभय मुद्रा : राहुल

गांधी ने डेढ़ घंटे से अधिक के भाषण में भारतीय जनता पार्टी पर तीखे प्रहार किये

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सदन में अपने पहले भाषण में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तीखा हमला करते हुये सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में हर वर्ग एवं व्यक्ति को डराते हैं जबकि कांग्रेस का निशान भगवान शिव, इस्लाम, गुरु नानक, महात्मा बुद्ध, महावीर की 'अभय मुद्रा' है जो देश में सत्य, अहिंसा और निर्भयता फैला रहा है। राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा में विपक्ष की अगुवाई करते हुये गांधी ने डेढ़ घंटे से अधिक के भाषण में भारतीय जनता पार्टी पर तीखे प्रहार किये और एजेंसियों के दुरुपयोग, बेरोज़गारी, महंगाई, अग्निवीर, किसान आंदोलन आदि मुद्दों पर सरकार को घेरा और स्वयं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर भी कटाक्ष किये। श्री गांधी के भाषण के दौरान दो बार प्रधानमंत्री को हस्तक्षेप करना पड़ा, जबकि गृह मंत्री अमित शाह ने तीन बार और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक एक बार हस्तक्षेप करना पड़ा। इस दौरान लोकसभा की दर्शक दीर्घा में कांग्रेस संसदीय दल की नेता श्रीमती सोनिया गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी बैठीं थीं। उन्होंने भगवान शंकर, गुरु नानक देव, महात्मा बुद्ध, महावीर, इस्लाम में इबादत के हाथों की तस्वीरें दिखायीं और भारतीय जनता पार्टी पर हिंसा एवं नफरत फैलाने का आरोप लगाया, लेकिन एक बयान से स्वयं श्री गांधी को भी सदन का रोष झेलना पड़ा, जब उन्होंने कहा कि जो खुद को हिन्दू कहते हैं वे हिंसा और नफरत फैला रहे हैं।

भाषण के हिस्से हटाने पर राहुल की स्पीकर को चिट्ठी

राहुल गांधी ने लोकसभा के अपने भाषण के 5 से ज्यादा हिस्से सदन की कार्यवाही से हटाने को लेकर मंगलवार को स्पीकर को चिट्ठी लिखी। राहुल ने 1 जुलाई को राष्ट्रपति के अभिभाषण के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष के तौर पर पहला भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने भाजपा, अल्पसंख्यक, नीट विवाद और अग्निपथ योजना जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। 2 जुलाई को लोकसभा स्पीकर के आदेश पर राहुल के बयान से इन सभी अंशों को संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। इनमें हिंदुओं, नीट एग्जाम, पीएम नरेंद्र मोदी, भाजपा और आरएसएस पर किए गए कमेंट्स भी शामिल थे। मंगलवार को संसद पहुंचने पर जब राहुल गांधी को यह बताया गया तो उन्होंने कहा- मोदी जी की दुनिया में सच्चाई मिटाई जा सकती है, हकीकत में सच को नहीं मिटाया जा सकता।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़, 5 नक्सली ढेर

5 जिलों के 1400 से ज्यादा जवान अबूझमाड़ में घुसे; 6 माह में 138 माओवादी मारे गए

जगदलपुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मंगलवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 5 नक्सलियों को मार गिराया। इलाके में अभी सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। जवानों और नक्सलियों के बीच सुबह से रुक-रुक कर फायरिंग चल रही थी। मुठभेड़ कोहकमेटा थाना क्षेत्र के अबूझमाड़ के जंगलों में हुई है। जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बस्तर और कोंडागांव समेत अन्य जिलों के करीब 1400 से ज्यादा जवान 30 जून को नक्सल विरोधी अभियान पर निकले थे। इस दौरान नक्सलियों के कोर इलाके अबूझमाड़ में जवान दाखिल हो गए।

देर शाम फायरिंग रुकने के बाद जारी है सर्चिंग

बताया जा रहा है कि सुबह नक्सलियों ने जवानों पर हमला कर दिया। इसके बाद से ही दोनों ओर से फायरिंग चल रही थी। देर शाम फायरिंग बंद हुई तो जवानों ने इलाके में सर्चिंग शुरू की। इस दौरान 5 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं।

अफसरों के मुताबिक, जवानों के लौटने के बाद विस्तृत जानकारी मिल सकेगी। सुरक्षाकर्मी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। मुठभेड़ में जिला रिजर्व गार्ड, विशेष कार्य बल, बीएसएफ और आईटीबीपी के जवान शामिल थे।

2 जुलाई तक 138 नक्सली मारे गए

आज हुई मुठभेड़ के साथ ही छत्तीसगढ़ में जनवरी से अब तक सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़कर 138 हो गई है। नारायणपुर सहित सात जिलों वाले बस्तर संभाग में 136 माओवादी मारे गए, जबकि रायपुर संभाग के अंतर्गत धमतरी जिले में दो अन्य मारे गए।

जमीन विवाद में पति-पत्नी और बेटे की हत्या

चचेरे भाइयों ने कुल्हाड़ी और सरिए से किया हमला; भाई-बहन घायल

झुंझुनूं। झुंझुनूं में मंगलवार सुबह करीब 9 बजे जमीन विवाद में चचेरे भाइयों ने पति-पत्नी और उनके बेटे की हत्या कर दी। खेत में काम कर रहे परिवार पर कुल्हाड़ी, लाठियों और सरियों से हमला किया गया। घायल भाई-बहन का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

मामला सूरजगढ़ थाना इलाके के धींगड़िया गांव का है। पुलिस ने एक महिला समेत आठ लोगों को डिटेन किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच जमीन बंटवारे का मामला 2014 से कोर्ट में विचाराधीन है।

एसपी राजर्षि राज वर्मा ने बताया- घटना में दो पक्ष शामिल हैं। दोनों पक्ष आपस में दो दादा की संतान हैं। इनमें नेतराम और गणपतराम दोनों भाई थे। दोनों के नाम करीब 20 बीघा जमीन है। इसी जमीन को लेकर दोनों परिवारों में विवाद है। गणपतराम के तीन बेटे बाबूलाल, मुरारीलाल और श्यामलाल हैं। बड़े भाई नेतराम के भी तीन बेटे राम अवतार, पवन और सांवरमल हैं। घायल विकास कुमार (19) ने पुलिस को बताया कि मंगलवार सुबह खेत में मैं, मेरे पिता बाबूलाल (50), भाई सोनू (21), बहन प्रियंका (30) और मां सरिता (45) काम कर रहे थे। करीब 9 बजे पुनीत पुत्र राम अवतार, देवेंद्र पुत्र राम अवतार, सांवरमल पुत्र नेतराम, पवन पुत्र नेतराम, सरोज सहित अन्य लोगों ने कुल्हाड़ी, लाठियों और सरियों से हमला कर दिया।

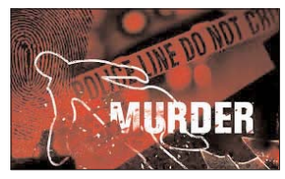

पहले बेटे, फिर पिता और मां ने तोड़ा दम

मारपीट के दौरान बाबूलाल और सोनू गंभीर घायल हो गए। दोनों को सूरजगढ़ के स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां सोनू को मृत घोषित कर दिया। बाबूलाल को झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान बाबूलाल की मौत हो गई।

हरियाणा में चलती मालगाड़ी से कंटेनर गिरे

3 किमी रेलवे ट्रैक टूटा,14 ट्रेनें रद्द, 11 घंटे बाद अंबाला-दिल्ली रेल लाइन बहाल हुई

करनाल। हरियाणा के करनाल में मंगलवार सुबह तरावड़ी रेलवे स्टेशन के पास चलती मालगाड़ी से करीब 8 कंटेनर गिर गए। कंटेनर गिरने की वजह से बिजली लाइन और रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचा। जिसके बाद रेलवे ने दिल्ली से अमृतसर के बीच चलने वाली ट्रेनों की आवाजाही रोक दी।

इस रूट पर 14 पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द कर दी गईं। वहीं 38 ट्रेनों को डायवर्ट कर दिया गया। इस रूट पर रोजाना 60 से 70 रेल गाड़ियां अप-डाउन करती हैं। जो प्रभावित हुई हैं।

शुरूआती जांच के बाद बताया गया कि मालगाड़ी का ऐक्सल टूट गया था, जिससे लगे झटके के बाद मालगाड़ी से कंटेनर जा गिरे। वहीं मालगाड़ी के पिछले पहिए डीरेल होने की भी सूचना है। फिलहाल हादसे की जांच की जा रही है।

वहीं करीब साढ़े 7 घंटे बाद रेलवे ने रिपेयरिंग कर दिल्ली-अंबाला रेल लाइन को ठीक कर दिया है। इस पर करनाल से अंबाला मालगाड़ी भेजकर ट्रायल किया जा चुका है, जबकि अंबाला से दिल्ली रेल लाइन दोपहर बाद सवा 3 बजे यानी 11 घंटे बाद बहाल हुई।

नोटिस — 7 दिन में जवाब मांगा, शराब नीति केस में 3 दिन रिमांड में रखा था

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट का सीबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में मंगलवार (2 जुलाई) को सीबीआई की ओर से की गई गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने सीबीआई को नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

केजरीवाल की ओर से सोमवार (1 जुलाई) को याचिका दाखिल की गई थी। केजरीवाल ने राउज एवेन्यू कोर्ट के 26 जून के उस आदेश को भी चुनौती दी है, जिसके तहत उनको 3 दिन के लिए सीबीआई की रिमांड पर भेजा गया था। फिलहाल केजरीवाल

12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई केजरीवाल के खिलाफ शराब नीति केस में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की जांच कर रही है। इस मामले में सीबीआई ने 26 जून को केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। दिल्ली सीएम शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले से ही तिहाड़ में बंद हैं।

केजरीवाल के खिलाफ ईडी-सीबीआई के अलग-अलग मामले

केजरीवाल पर दो मामले दर्ज हैं। पहला ईडी का, जिसमें उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया है। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। दूसरा सीबीआई का, जिसे शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर दर्ज किया गया। इस केस में 26 जून को केजरीवाल को दोबारा गिरफ्तार किया गया।

यह केस दिल्ली एलजी वीके सक्सेना की शिकायत पर दर्ज हुआ था। दोनों मामले अलग-अलग दर्ज किए गए हैं, इसलिए इनमें गिरफ्तारी भी अलग-अलग हुई है। ईडी केस में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई को खत्म हो रही है।

पिछली सुनवाई में बिगड़ गई थी केजरीवाल की तबीयत 26 जून को सीबीआईने केजरीवाल को कोर्ट में पेश किया था। सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मीडिया में खबर चलाई जा रही है कि मैंने सिसोदिया पर शराब नीति के आरोप लगाए हैं। यह गलत है। मैंने कहा था कि कोई दोषी नहीं हैं। सिसोदिया भी दोषी नहीं हैं। इस पर सीबीआई के वकील ने कहा मीडिया में जो चल रहा है वह सब सही है। सब फैक्ट्स पर आधारित है। इससे पहले सुनवाई के दौरान ही कोर्ट रूम में केजरीवाल की तबीयत बिगड़ गई थी। उनका शुगर लेवल गिरने के कारण कुछ देर के लिए उन्हें अलग रूम में शिफ्ट किया गया। हालांकि बाद में वे कोर्ट रूम में वापस लौट आए।

संपादकीय

ढोंगी बाबाओं के चंगुल में फंसी मासूम जिंदगियां

एक शेर से अपनी बात शुरू करता हूँ

'धर्म का चोला पहन, करते हैं जो ढोंग और फरेब,
उनकी चालों में फंसकर, बेबस होते हैं मासूम कई।'

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के सिकन्दराराऊ क्षेत्र में हुए सत्संग के दौरान मची भगदड़ में अब तक 116 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ऐसी घटनाएं हमें सोचने पर मजबूर करती हैं कि हमारे समाज में अंधविश्वास और ढोंगी बाबाओं का प्रभाव कितना गहरा है। ये तथाकथित %भोले बाबा% और उनके जैसे अन्य ढोंगी बाबा धार्मिक आस्था और चमत्कारों के नाम पर लोगों को अपने जाल में फंसा लेते हैं, और उनकी भावनाओं का शोषण करते हैं।

इस भगदड़ के बाद अस्पतालों में पीड़ितों के परिजनों का हंगामा भी देखा गया। ये लोग अपने प्रियजनों की सुरक्षा और इलाज के लिए चिंता और गुस्से में थे। यह स्थिति प्रशासन और स्वास्थ्य सेवाओं की असफलता को भी उजागर करती है।

इसी बीच, अमरनाथ यात्रा के दौरान एक साहसिक घटना सामने आई, जिसमें जवानों ने एक बस को खाई में गिरने से बचाया। यह दिखाता है कि हमारे सुरक्षाबल किस प्रकार संकट के समय में तत्परता और बहादुरी का प्रदर्शन करते हैं, जो काबिले तारीफ है।

तथाकथित 'भोले बाबा', जिनका असली नाम नारायण साकार विश्व हरि है, खुद को चमत्कारी बाबा के रूप में प्रस्तुत करते हैं। वे दावा करते हैं कि उनके पास दिव्य शक्तियां हैं और वे लोगों के जीवन की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। उनके अनुयायियों की संख्या लाखों में है, जो उनके प्रवचनों और सत्संगों में भाग लेते हैं। लेकिन ऐसे बाबाओं के पीछे अक्सर धोखाधड़ी और शोषण की कहानियां छिपी होती हैं।

सरकार भी इस घटना के बाद अलर्ट पर है और आयोजकों पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। प्रमुख सचिव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक्शन में हैं। इस घटना ने 'आश्रम' और 'महाराज' जैसी वेब सीरीज और फिल्मों की याद दिला दी है, जो ढोंगी बाबाओं की पोल खोलती हैं।

क़ाफ़िले की वजह से रास्ता रुका और इससे बचाव कार्य में बाधा आई। यह स्पष्ट है कि इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए हमें अधिक सतर्क और जागरूक होने की आवश्यकता है।

पाखंड और ढोंग से बचने के उपाय

1. शिक्षा और जागरूकता : अपने और अपने परिवार को शिक्षित करें कि अंधविश्वास और धार्मिक धोखाधड़ी से कैसे बचा जाए।

2. साक्ष्य पर विश्वास करें : किसी भी चमत्कार या दावे पर विश्वास करने से पहले उसके साक्ष्य और तर्कसंगतता की जांच करें।

3. संवाद : अपने परिवार और समाज में इन मुद्दों पर खुलकर बात करें और दूसरों को भी जागरूक करें।

4. सतर्क रहें : किसी भी धार्मिक या चमत्कारिक दावे पर आंख मूंदकर विश्वास न करें।

5. कानूनी मदद लें : यदि आपको किसी बाबा या धार्मिक नेता पर संदेह है, तो तुरंत कानूनी मदद लें और संबंधित अधिकारियों को सूचित करें।

6. सत्संगों और प्रवचनों की सत्यता की जांच करें : किसी भी धार्मिक आयोजन में भाग लेने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें और आयोजकों की पृष्ठभूमि को समझें।

आखिरकार, यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम धार्मिक आस्था और अंधविश्वास के बीच की रेखा को पहचानें और ऐसे ढोंगी बाबाओं के चंगुल में फंसने से बचें। जागरूकता और शिक्षा ही एकमात्र उपाय है जिससे हम ऐसी घटनाओं से बच सकते हैं और अपने समाज को सुरक्षित रख सकते हैं।

देश में लागू हुआ नया कानून

सामाजिक बदलावों और जरूरतों के मुताबिक कानूनों में संशोधन और अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को समाप्त करना जरूरी होता है। इस लिहाज से औपनिवेशिक काल से चले आ रहे कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव जरूरी थे।

नए तीनों कानून लागू हो गए। सरकार का कहना है कि इन कानूनों के जरिए न्याय सुनिश्चित होगा, पुराने कानूनों का बल दंड पर अधिक था। नए कानूनों से आधुनिक प्रणाली स्थापित होगी। इनमें अब घर बैठे प्राथमिकी दर्ज कराने, शून्य प्रथमिकी के तहत किसी भी थाने में शिकायत दर्ज कराने जैसी सहूलियतें दी गई हैं, जिससे लोगों का समय बचेगा और त्वरित कार्रवाई हो सकेगी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अदालतों को भी तय समय के भीतर फैसला सुनाने की बाध्यता होगी। बलात्कार, बाल यौन शोषण जैसे मामलों में जांच और सुनवाई संबंधी सख्त नियम बनाए गए हैं।

निस्संदेह, मामलों की जांच और सुनवाई में गति आएगी, तो लोगों को न्याय मिल सकेगा। मगर विपक्ष का कहना है कि इन कानूनों में कुछ ऐसी सख्त धाराएं बनाई गई हैं, जिनसे पुलिस को मनमानी का अधिकार मिलता और मानवाधिकारों के हनन का रास्ता खुलता है। खासकर आपराधिक कानूनों को लेकर व्यापक विरोध देखा जा रहा है। दरअसल, ये कानून विपक्ष की गैरमौजूदगी में और बिना किसी बहस के पारित हो गए थे, इसलिए इन पर विशद चर्चा नहीं हो पाई थी। इसलिए भी इनकी कई धाराओं को लेकर भ्रम और विवाद की गुंजाइश बनी हुई है।

सामाजिक बदलावों और जरूरतों के मुताबिक कानूनों में संशोधन और अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को समाप्त करना जरूरी होता है। इस लिहाज से औपनिवेशिक काल से चले आ रहे कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव जरूरी थे। हालांकि ऐसा भी नहीं कहा जा सकता कि सारे कानून ब्रिटिश राज के समय से जस के तस चले आ रहे थे। उनमें समय-समय पर बदलाव होते रहे हैं, जिन कानूनों की प्रासंगिकता नहीं रह गई थी, उन्हें समाप्त भी किया गया। मगर फिर भी बहुत सारे कानून बदली स्थितियों से मेल नहीं खाते थे।

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह अपराधों की प्रकृति बदली और देश की अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने वाली गतिविधियां बढ़ी हैं, आतंकवादी संगठनों की सक्रियता बढ़ी है, उसमें कुछ सख्त कानूनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर आपराधिक कानून बनाते समय यह ध्यान रखना भी जरूरी होता है कि उनका दुरुपयोग न होने पाए, उनके चलते सामान्य नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन न हो। औपनिवेशिक समय के राजद्रोह कानून की जगह देशद्रोह कानून लाने की इसीलिए सबसे अधिक आलोचना हो रही है कि उससे लोगों में नागरिक अधिकारों के हनन का भय अधिक पैदा होता है।

हालांकि हर नए कानून के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा तो होती ही है, होनी भी चाहिए, मगर उन पर आम सहमति बने बिना लागू किए जाने से विवाद और नाहक भय का वातावरण बनता है। जब तक आम नागरिकों में इन कानूनों को लेकर भरोसा नहीं बनेगा, विरोध के स्वर उठते रहेंगे।

जब ये कानून संसद में पारित हुए थे, तब उसके एक हिस्से को लेकर ट्रक चालकों ने देशव्यापी हड़ताल की थी। अब कई जगह खुद वकील इनके विरोध में उतरने वाले हैं।

नये भारत में बदलाव के कानून, न्याय की ओर

भारतीय न्याय प्रणाली की कमियां को दूर करते हुए उसे अधिक चुस्त, त्वरित एवं सहज सुलभ बनाना नये भारत की अपेक्षा है। मतलब यह सुनिश्चित करने से है कि सभी नागरिकों के लिये न्याय सहज सुलभ महसूस हो, कानूनी प्रावधान न्यायसंगत एवं अपराध-नियंत्रण का माध्यम हो, वह आसानी से मिले, जटिल प्रक्रियाओं से मुक्त होकर सस्ता हो। निश्चित रूप से किसी भी कानून का मकसद नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति व अधिकारों की रक्षा करना ही होता है। जिससे किसी सभ्य समाज में न्याय की अवधारणा पुष्ट हो सके। 1 जुलाई, 2024 से भारत आपराधिक न्याय के एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है। न्याय का एक नया सूरज उदित हो रहा है, जब पूरे देश में लागू हुई भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता को लेकर उम्मीद करनी चाहिए कि यह बदलाव न्याय की कसौटी पर खरा उतरेंगे। इस दृष्टि से यह कानून से जुड़ी अकल्पित उपलब्धियों से भरा-पूरा अवसर भारत न्याय प्रक्रिया को एक नई शक्ति, नई ताजगी और नया परिवेश देने वाला साबित होगा। उल्लेखनीय है कि कानूनी बदलाव से जुड़े ये तीनों विधेयक बीते साल संसद में पारित किये गए थे।

अंग्रेजों के बनाये कानून क्या स्वतंत्र भारत में साढ़े सात दशक बाद भी लागू रहने चाहिए, यह लम्बे समय से विमर्श का विषय बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार द्वारा न्यायिक व्यवस्था को प्रभावी, आधुनिक, तकनीकी बनाने के लिये, अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को बदलने एवं आधुनिक अपेक्षाओं के नये कानून बनाने का साहसिक एवं प्रासंगिक कदम उठाते हुए नए कानून लाने एवं उन्हें लागे करने का बड़ा कदम उठाया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य है। विपक्षी दलों ने सांस्कृतिक, धार्मिक व भौगोलिक विविधता वाले देश के लिये बनाये गये कानूनों को भले ही व्यापक सार्वजनिक विमर्श के बाद ही लागू किया जाने की अपेक्षा व्यक्त की हो, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि जहां ब्रिटिश काल में बने कानूनों का मकसद दंड देना था, वहीं नये कानूनों का मकसद नागरिकों को न्याय देना है। मौजूदा चुनौतियों व जरूरतों के हिसाब से कानूनों को बनाया गया है।

इन कानूनों को बनाने का मूल उद्देश्य अपराधमुक्त समाज की संरचना करना है। इसीलिये अपराधियों को कड़े दण्ड देने का प्रावधान किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय न्याय संहिता में विवाह का प्रलोभन देकर छल के मामले में दस साल की सजा, किसी भी आधार पर मॉब लिंचिंग के मामले में आजीवन कारावास की सजा, लूटपाट व गिरोहबंदी के मामले में तीन साल की सजा का प्रावधान है। आतंकवाद पर नियंत्रण के लिये भी कानून है। किसी अपराध के मामले में तीन दिन में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी तथा सुनवाई के बाद 45 दिन में फैसला देने की समय सीमा निर्धारित की गई है। वहीं प्राथमिकी अपराध व अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम के जरिये दर्ज की जाएगी। व्यवस्था की गई है कि लोग थाने जाए बिना भी ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कर सकें। यह कहने में कोई हर्ज नहीं है कि इन कानूनों के माध्यम से देश में पुलिस सुधार को भी बल मिलेगा। पुलिस कानून-कायदे के तहत काम करने को विवश या बाध्य होगी। अंतत: अब पुलिस को अनुशासित बनाने के साथ-साथ कारगर बनाने की ओर देश ने अपने कदम बढ़ा दिए हैं। पुलिस प्रशासन की सफलता इसी में है कि तमाम लोगों को यह महसूस हो कि कानून न्यायपूर्ण ढंग से लागू किया जा रहा है। एक पहलू यह भी है कि पुलिस प्रशासन को कुशल और सक्षम बनाने के लिए संसाधनों की कमी आड़े नहीं आए। जिस स्तर की सेवा की उम्मीद लोग पुलिस से कर रहे हैं, उसके लिए सरकारों को पुलिस पर व्यय बढ़ाना होगा। सक्षम और सहयोगी पुलिस हमारे तेज विकास में कारगर होगी। पुलिस को प्रशिक्षित एवं सक्षम बनाने के तंत्र भी नये तरीके से विकसित करने होंगे। एक तरह से इन कानूनी प्रावधानों को सहज एवं सरल बनाने के प्रयास किये गये हैं।

ध्यान रहे, पिछले कानूनों में यह बड़ी कमी थी कि वे गरीबों को न्याय दिलाने में असमानता के द्योतक थे। उन कानूनों का इस्तेमाल गरीबों के खिलाफ जितनी आसानी से होता था, उससे कहीं ज्यादा कठिनाई से अमीरों के खिलाफ मामले दर्ज होते थे। आरोप सिद्ध होने या सजा के मामले में भी गरीबों को ही ज्यादा भुगतना पड़ता था। औपनिवेशिक युग के निर्मम या गरीब विरोधी कानूनों को समाप्त करने की मांग लंबे समय से हो रही थी। अब इन नये तीन कानूनों ने ब्रिटिश काल के तीन कानूनों की जगह ले ली है, इसका एहसास कराना होगा कि ब्रिटिश हिसाब से बने कानून अब देश में नहीं चल रहे हैं।

नए कानूनों में यह ताकत है कि इनसे अपने यहां संपूर्ण न्याय प्रणाली में आम नागरिकों के अनुरूप आधुनिक बदलाव हो सकता है। केंद्र सरकार ने अपना काम कर दिया है और अब राज्यों को अपने स्तर पर इन अच्छे एवं प्रभावी कानूनों को लागू करने की पूरी तैयारी करनी पड़ेगी और देश के ज्यादातर राज्यों में पुलिस जिस तरह से प्रशिक्षित हो रही है, इससे जुड़ी खबरों का सामने आना भी सुखद है। सक्षम और सहयोगी पुलिस नये भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत में कारगर होगी।

सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के अनुरूप राजद्रोह कानून को तो हटा दिया गया है लेकिन राष्ट्रीय एकता, अखंडता व संप्रभुता के अतिक्रमण को नये अपराध की श्रेणी में रखा गया है। संगठित अपराधों के लिये तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही अपराध की जांच-पड़ताल को आधुनिक तकनीक के जरिये न्यायसंगत बनाने का प्रयास किया गया है।

जिसमें फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाना भी अनिवार्य है ताकि अपराधी संदेह का लाभ न उठा सकें। दूसरी ओर सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल अपराध नियंत्रण में बढ़ेगा। नये कानून के अनुसार मौत की सजा पाये अपराधी को खुद ही दया याचिका दायर करनी होगी, कोई संगठन या व्यक्ति ऐसा न कर सकेगा। निश्चित ही जहां सरकार वर्तमान संदर्भ के अनुरूप कानूनों का आधुनिकीकरण कर रही है वहीं उसे कानून व्यवस्था को सशक्त बनाने एवं पुलिस-व्यवस्था को सुधारने एवं सक्षम बनाने के लिये साधन-सुविधाओं को सुलभ कराने के लिये तत्पर होना होगा। नये कानून एवं नयी आधुनिक अदालते कल के भारत को और मजबूत करेगी। नये भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने में इनकी सर्वाधिक सार्थक भूमिका होगी। सरकार अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी या स्थानीय भाषाओं में न्याय-प्रक्रिया को संचालित करने के लिये भी प्रतिबद्ध है।

नए कानून से मुकदमे जल्दी निपटेंगे और तारीख पर तारीख के दिन लद जाएंगे। एक जुलाई से लागू हो रहे आपराधिक प्रक्रिया तय करने वाले तीन नये कानूनों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए एफआइआर से लेकर फैसले तक को समय सीमा में बांधा गया है। आपराधिक ट्रायल को गति देने के लिए नये कानून में 35 जगह टाइम लाइन जोड़ी गई है। शिकायत मिलने पर एफआइआर दर्ज करने, जांच पूरी करने, अदालत के संज्ञान लेने, दस्तावेज दाखिल करने और ट्रायल पूरा होने के बाद फैसला सुनाने तक की समय सीमा तय है। साथ ही आधुनिक तकनीक का भरपूर इस्तेमाल और इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को कानून का हिस्सा बनाने से मुकदमों के जल्दी निपटारे का रास्ता आसान होगा। शिकायत, सम्मन और गवाही की प्रक्रिया में इलेक्ट्रानिक माध्यमों के इस्तेमाल से न्याय की रफ्तार तेज होगी। उपर्युक्त सभी बातों को देखते हुए स्पष्ट है कि भारतीय न्याय तंत्र में विभिन्न स्तरों पर सुधार की दरकार को महसूस करते हुए वैसी व्यवस्थाएं की गयी है। लेकिन यह सुधार न सिर्फ न्यायपलिका के बाहर से बल्कि न्यायपालिका के भीतर भी होने चाहिये। ताकि किसी भी प्रकार के नवाचार को लागू करने में न्यायपालिका की स्वायत्तता बाधा न बन सकें। न्यायिक व्यवस्था में न्याय देने में विलंब न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, अत: न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि दिखना भी चाहिये। नये कानूनों एवं नयी कानूनी व्यवस्थाओं से ऐसा होता हुआ दिख रहा है जो नये भारत की ओर गति को दर्शा रहा है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3231

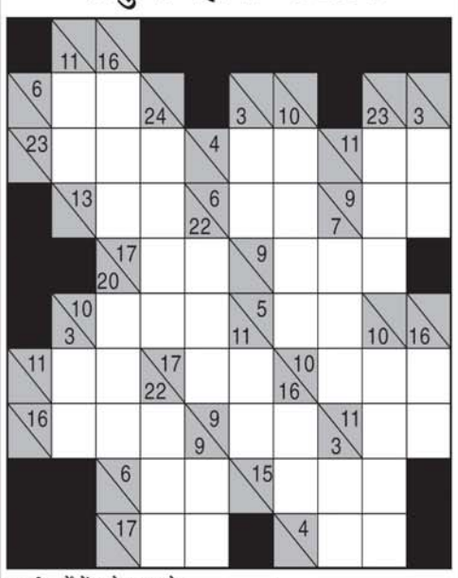

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

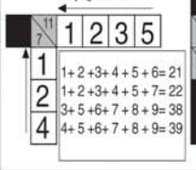

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3119 का हल

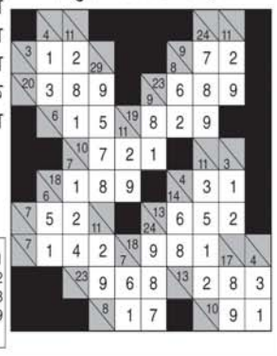

हंसी के फव्वारें

विज्ञान की कक्षा में छात्रा को बहुत नींद आ रही थी. व्याख्यान के दौरान उसकी गर्दन बार-बार नीचे लटक जा रही थी.

प्राध्यापिका का ध्यान जब उसकी तरफ गया तो पूछ बैठी, 'मैं समझा रही हूँ और तम्हारी गर्दन बार-बार नीचे झुक जाती है, क्या कारण है ?'

छात्रा ने झट विज्ञान की भाषा में ही जवाब देते हुए कहा, 'जी, यह तो पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के कारण हो रहा है.'

□ □ □

'क्यों बच्चे, यह गेंद तुम्हारी है ?'
'अंकल, इससे कोई शीशा टूटा है ?'
'नहीं तो ?'
'फिर यह मेरी ही है.'

□ □ □

रसोई में घरवाली की सहायता करते हुए पति चिढ़कर बोले,'देखोजी, मुझसे तो ये रोटियां बेली नहीं जातीं. बेलने का अभ्यास जो नहीं है.'

'मुझसे विवाह करने के लिए तुमने कितने पापड़ बेले थे, भूल गये क्या ?'

□ □ □

एक अविवाहित डॉक्टर से बोला-जब मैं दोनों हाथ पर आगे झुककर हाथों को घुमाता हूँ तो दाहिने कंधे में दर्द होता है.

डॉक्टर- लेकिन आप ऐसा करते ही क्यों हैं ?

अविवाहित-कोट पहनने का कोई दूसरा उपाय आप जानते हों तो मुझे भी बताएँ.

फिल्म वर्ग पहेली - 3231

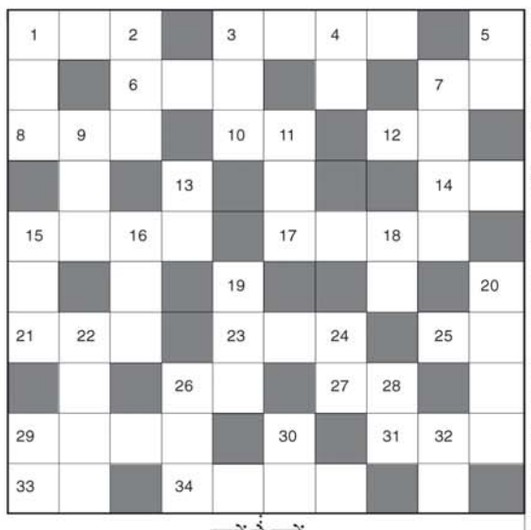

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी ?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्ष्मीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था ?-२
२७. फिल्म 'बॅबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी ?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका ?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका ?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3230

अं	जा	म		जै		बा	द	शा	ह
गा		न	म	की	न		म		म
रे	ख		हा		गी	त		ही	रा
	मो	ह	रा		ना	रा	ज		ज
	शी		जा	नू		जू		फ	
स		गो		त	ब्बू		दो	रा	स्ते
ती	स	रा	की	न		बा		र	
श			न		जं	जी	र		घा
शा	र	दा		जं	ग		क्ष	त्रि	य
ह		सी	मा		ल		क		ल

सूडोकु -3231

			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3230 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

शब्द पहेली - 3231

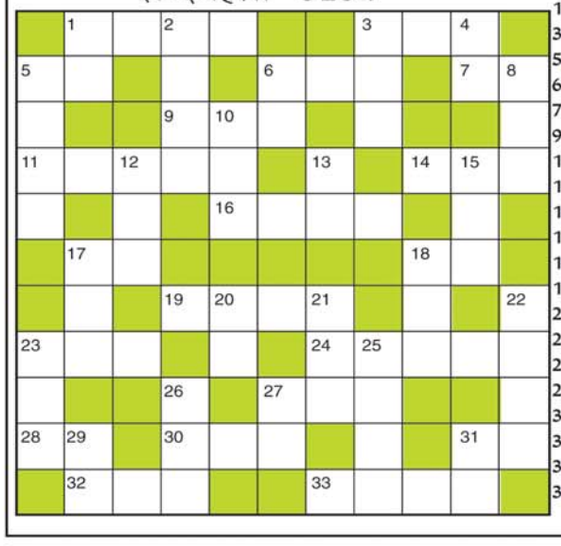

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -3230 का हल

	अ	स	भ	यो	ग		अ	दा	ब	त
र	क्ष		रा		ग	रु	ड़		न	र
ख		स	ना	त	न		ना	म		क
र	फ्ना	र			खुं	गी		त	म	स
खा		मा		चा	बी		सी		ही	
ब	ल	या	का	र		प	रा	या	प	न
	क		या		का	ल		द		क
द	वा	त		भ	ला			गा	य	ब
र		र	ज		बा	जी	ग	र		ज
क	र		ल	ह	जा		जं		खा	न
ना	जा	य	ज		र	घु	ना	थ	क	

प्राधिकरण के खिलाफ जमकर आक्रोश

'लैंड बैंक' योजना का किसानों ने किया बहिष्कार

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के लिए किसानों से जमीन खरीदना चाहता है, लेकिन इसका विरोध हो रहा है। सोमवार के बाद मंगलवार को भी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम गांवों में जमीन खरीदने के लिए पहुंची, लेकिन वहां से उनको उल्टे पांव भागना पड़ा। अधिकारियों को किसानों ने टिकने नहीं दिया। जिसकी मुख्य वजह यह है कि किसान बढ़ा हुआ मुआवजा मांग रहे हैं। जबकि, अथॉरिटी पुराना मुआवजा देना चाहती है। इसी को लेकर दोनों में सहमति नहीं बनी और किसानों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों को उल्टे पांव भगा दिया।

10 गांवों में अधिग्रहण

दरअसल, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के द्वारा लैंड बैंक के लिए किसानों से जमीन खरीदी जा रही है। इसको लेकर प्राधिकरण ने योजना बना ली। प्राधिकरण ने अपने क्षेत्र के 10 गांवों में जाकर जमीन खरीदने का फैसला लिया है।

जिसमें कैंप लगाकर किसानों से जमीन खरीदी जाएगी, लेकिन इसका जमकर विरोध हो रहा है। सोमवार को खेड़ी गांव में अधिकारी पहुंचे, लेकिन वहां से उल्टे पांव भागना पड़ा। अब मंगलवार को सुनपुरा गांव ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी पहुंचे थे, लेकिन वहां पर भी किसानों ने उनको टिकने नहीं दिया।

किसानों में भारी आक्रोश

सुनपुरा गांव के किसानों का कहना है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण मुफ्त में किसानों की जमीन लेना चाहता है। ऐसा पिछले करीब 10 सालों से हो रहा है। किसानों को उनकी जमीन का पूरा हक और मुआवजा नहीं दिया जाता। इसको लेकर किसान विरोध कर रहे हैं।

लैंड बैंक में जमीन एकत्रित करने के लिए प्राधिकरण ने योजना चलाई, लेकिन उनकी योजना शुरू होने से फेल हो गई। शुरुआत खेड़ी गांव से हुई थी, लेकिन पहले दिन ही खेड़ी गांव के निवासियों ने इसका विरोध कर दिया था और अब मंगलवार को सुनपुरा गांव में भी विरोध हुआ। किसानों की मांग है कि उनको उचित मुआवजा दिया जाए। इसके साथ उनकी सभी मांगों को पूरा किया जाए।

इन गांवों में होना है जमीन का अधिग्रहण

खेड़ी
सुनपुरा
खोदना
वैदपुरा
भोला रावल
अच्छेजा
लड़पुरा
जौन समाना
तिलपता करनवास
भनौता

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण आगामी प्रोजेक्ट और मास्टर प्लान के लिए किसानों से जमीन खरीदना चाहता है। इस जमीन को लैंड बैंक में एकत्रित करेंगे और फिर उसके बाद आने वाले समय में उद्योगपति को दे देंगे। इसके अलावा जिले में आने वाली कंपनियों और फेक्ट्री लगाने वालों को जमीन दी जाएगी।

कार चला रही महिला ने रेहड़ी को टक्कर मारी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित एसकेएस ग्रीन आर्क सोसायटी के पास तेज रफ्तार कर कहर देखने को मिला। क्रेटा कार चला रही महिला चालक ने सड़क के किनारे खड़े एक रेहड़ी को टक्कर मार दी। जिसमें रेहड़ी के परखच्चे उड़ गए और रेहड़ी लेकर जा रहा शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना पर मौके पर पहुंची थाना बिसरख की पुलिस ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है। कार की नंबर प्लेट मौके पर ही पड़ा मिली है और आस पास लोगों से पूछताछ की जा रही है और वहां लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया जा रहा है और आरोपी कार चालक की जल्द गिरफ्तारी की जाने की बात कही जा रही है।

ग्रेनो वेस्ट में मंटू माहौर पोहा की रेहड़ी लगाता है, आज सुबह उसकी रेहड़ी को क्रेटा कार ने जोरदार टक्कर मार दी। क्रेटा कार इतनी तेज थी कि रेहडी के परखच्चे उड़ गए। रेहडी वाले को गंभीर चोट आई है।

उसकी पत्नी शारदा का कहना कि उसे फोन आया था कि मेरे पति का एक्सीडेंट हो गया है। मैं भागकर आई तो समान बिखरा मिला। घटना के प्रत्यक्षदर्शी कैब चालक ने बताया कि वह कैब में बैठा हुआ था, तभी एक तेज रफ्तार क्रेटा कार आई ,जिसे महिला चला रही थी। उसने रेहड़ी को टक्कर मार दी।

बिसरख थाना प्रभारी अरविंद कुमार का कहना है कि घायल का प्राथमिक उपचार कराया है, उसकी हालत ठीक है, पीड़ित की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है, कार की नंबर प्लेट मौके पर ही पड़ी मिली है और आस पास लोगों से पूछताछ की जा रही है। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किये जा रहे हैं और आरोपी कार चालक की जल्द गिरफ्तारी की जायेगी।

शार्ट न्यूज

नए कानून के तहत मारपीट का पहला मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा। भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत बिसरख थाने में एक जुलाई को मारपीट का पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। एक जुलाई से पहले जो घटनाएं हुई हैं, पुलिस उनमें पुराने कानून की धाराओं के मुताबिक मुकदमा दर्ज कर रही हैं। एक जुलाई और उसके बाद की घटनाओं में नए कानून के अनुसार मुकदमा दर्ज करना शुरू कर दिया गया है ।बिसरख कोतवाली पुलिस के मुताबिक गौर सिटी दो स्थित सरस्वती कुंज कॉलोनी में बलवीर सिंह का एक प्लॉट है। बलवीर सिंह ने पुलिस को बताया कि सोमवार की सुबह वह अपने प्लॉट में मिट्टी डाल रहे थे। प्लॉट में मिट्टी डालने को लेकर उनका पड़ोसी सतीश से झगड़ा हुआ। इसी बीच पड़ोसी सतीश और उसके तीन बेटों केशव, राहुल और धीरज ने बलवीर सिंह के साथ मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने डंडा मार कर उनका सिर फोड़ दिया। पीड़ित ने घटना की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल करवाया। इसके बाद पीड़ित की तहरीर पर नए कानून के मुताबिक भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 115, 352, 351 (2) 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज किया। कोतवाली प्रभारी अरविंद कुमार का कहना है कि पुलिस की टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में महिला की कार पर फायरिंग

नोएडा। अज्ञात बदमाशों पर कार पर फायरिंग करने का आरोप लगाते हुए एक महिला ने सेक्टर-113 थाने में केस दर्ज कराया है। वहीं पुलिस का कहना है कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि किसी ने एयरगन से फायर किया है। सेक्टर 77 स्थित प्रतीक सोसाइटी में रहने वाली एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार पर अज्ञात व्यक्तियों ने गोली चला दी। गोली लगने से उनकी कार का शीशा टूट गया। पुलिस को दी शिकायत में सॉफ्टवेयर इंजीनियर दीपिका गर्ग ने बताया कि वह और उनके पति पेशे से इंजीनियर हैं। मंगलवार सुबह को जब वह सोकर उठीं तो देखा कि उनकी कार का शीशा टूटा हुआ है। जब उन्होंने पास जाकर चेक किया तो मौके पर उन्हें एक बुलेट दिखाई दी। पीड़िता ने इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जो बुलेट मौके से बरामद हुई है वह एयर गन की है। मौके पर फॉरेंसिक टीम को भेजा गया था। जिनकी रिपोर्ट आने का इंतजार है। हालांकि इस घटना के बाद से सोसाइटी में लोग डरे हुए थे।

40 सदस्यीय रेपिड रिस्पांस टीम करेगी संचारी रोगों की रोकथाम

नोएडा। संचारी रोगों की रोकथाम के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं जिला मलेरिया अधिकारी के नेतृत्व में 40 सदस्यीय रेपिड रिस्पांस टीम (आरआरटी) का गठन होगा। नोएडा प्राधिकरण, जिला स्वास्थ्य विभाग और यूनिसेफ ने बैठक की। बैठक में कई निर्देश दिए गए। रेपिड रिस्पांस टीम को सेक्टरों और गांवों में जागरूकता कार्यक्रम चलाएगी। संचारी रोग फैलाने वाले कारकों को ढूंढने के लिए टीम घर-घर जाकर सर्वे करेगी। इसके अलावा प्रचार प्रसार के माध्यम से पानी की टंकी, कुलरों की सफाई, घरों के आस-पास पानी इकट्ठा न होने समेत अन्य चीजों से अवगत कराया जाएगा। वहीं, नोएडा प्राधिकरण की ओर से संचालित नोएडा वन एप पर संचारी रोग के नियंत्रण के लिए एनजीओ की मदद से जलभराव होने वाले क्षेत्र को चिन्हित किया जाएगा। संचारी रोग के रोकथाम और नियंत्रण के लिए शहर में पंफलेट, बैनर और विडियो इत्यादि के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। बैठक में सभी नालों एवं नालियों की सफाई के अलावा घास की कटाई व सफाई के निर्देश दिए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर एक सप्ताह में समस्त नालियों एवं खाली 78 भूखंडों की सफाई के निर्देश दिए गए। समस्त तालाबों की सूची उपलब्ध कराने एवं उसके आस-पास की सफाई के निर्देश दिए गये।

रोटरी क्लब ने स्कूल बैग, पंखे व इनवेटर किया भेंट

ग्रेनो। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा द्वारा क्लब के नये सत्र के पहले दिन रामकौर बालिका हाई स्कूल दुजाना में 100 बच्चों को स्कूल बैग व स्कूल में बच्चों की सुविधा के लिए 10 पंखे व 1द्म1ड्ड का इनवेटर भेंट किया गया। क्लब अध्यक्ष रो0 शैलेश वार्ष्णेय ने बताया कि क्लब द्वारा स्कूल में पिछले कई वर्षो से बच्चों को बैग भेंट किये जाते रहे है द्य इस वर्ष स्कूल प्रबंधक हितेंद्र नागर ने बच्चों की सुविधा के लिये क्लब से कुछ पंखों और इनवर्टर का सहयोग करने का अनुरोध किया था द्य जिसे क्लब ने सहर्ष स्वीकार कर उक्त सामान का प्रबंध किया जिसमें रो0 मनोज गर्ग ने पंखों का सहयोग कियाइस अवसर पर रो0 शैलेश वार्ष्णेय, रो0 अमित राठी, रो0 के के शर्मा, रो0 विनोद कसाना, रो0 सौरभ बंसल, रो0 प्रीति अग्रवाल, रो0 निखिल गर्ग, रो0 अंकुर गर्ग, रो0 रंजीत सिंह, रो0 अनूप वर्मा व श्रीमती परमा वर्मा मौजूद रहे।

नोएडा-ग्रेनो में बन रहे मसालों में नहीं मिला एथीलीन ऑक्साइड

ग्रेटर नोएडा। नोएडा-ग्रेनो में बन रहे मसालों में एथीलीन ऑक्साइड कीटनाशक नहीं मिला है। लैब की जांच में मसालों को क्लीन चिट मिली है। हांगकांग और सिंगापुर में कुछ भारतीय मसालों पर प्रतिबंध लगने के बाद खाद्य विभाग ने अभियान चलाया था। कुल 10 मसालों के नमूनों को लैब भेजा गया था। जांच रिपोर्ट आने के बाद विभाग ने राहत की सांस ली है। एथीलीन ऑक्साइड कीटनाशक दवा है। मसालों को खराब होने से बचाने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है। हांगकांग और सिंगापुर ने भारत के कुछ मसालों पर प्रतिबंध लगा दिया था। मसालों में कैंसर के तत्व होने का दावा किया गया था। एथीलीन ऑक्साइड की मिलावट मिली थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने भी मसालों की जांच की थी। इस घटना के बाद प्रदेश सरकार ने भी मसालों की जांच का आदेश दिया था। इसके बाद गौतमबुद्ध नगर के खाद्य विभाग ने अभियान चलाकर नोएडा-ग्रेनो में 9 कंपनियों की जांच की। जांच में इन कंपनियों के यहां से धनिया, मिर्च, हल्दी और सब्जी मसाले समेत 10 उत्पादों के नमूने लिए गए। सभी को जांच के लिए लखनऊ की जगह हैदराबाद स्थित लैब भेजा गया, जहां सभी नमूने मानकों पर खरे उतरे। किसी में भी एथीलीन ऑक्साइड की मिलावट नहीं मिली।

अक्तूबर में शुरू होगा एयरपोर्ट पर ट्रायल रन

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एयरपोर्ट के संचालन की नई तिथि दिसंबर तय होने के बाद अक्तूबर से ट्रायल रन शुरू होगा और नवंबर में अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए जरूरी थ्री कैट आई से रनवे को लैस कर दिया जाएगा। साथ ही, टर्मिनल बिल्डिंग की छत पर लगने वाले स्टील का ढांचा (परलिन) तैयार करने के लिए वेंडर की संख्या 4 से बढ़ाकर 8 कर दी गई है। टर्मिनल बिल्डिंग की छत पर लगने वाले ढांचे का काम पूरा न होने की वजह से उड़ान में देरी हुई है। दरअसल, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को सौंप दिया गया है। साथ ही, अब दिसंबर में उड़ान शुरू करने की कार्ययोजना पर विकासकर्ता कंपनी 15 जुलाई को रिपोर्ट देगी। दिसंबर में कोहरे आदि को देखते हुए उड़ान के लिए रनवे पर थ्री कैट आई जरूरी है। इसके लिए वन कैट आई के 30 दिन बाद ही इसका आवेदन होता है। ऐसे में अब अक्तूबर में ट्रायल के बाद दिसंबर में पूरी सुविधा के साथ ही एयरपोर्ट तैयार करने की कवायद है। विकासकर्ता कंपनी 15 जुलाई को अपनी कार्ययोजना पेश करेगी कि किस तरह परियोजना को दिसंबर तक पूरा कर उड़ान सेवा शुरू की जा सकती है।

दहेज में फॉर्च्यूनर की मांग पूरी नहीं करने पर विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

ग्रेटर नोएडा। शहर के एक सेक्टर में रहने वाली महिला ने ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज के लिए मारपीट करने और गर्भपात कराने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि उसकी हत्या का भी प्रयास किया गया। आरोपी दहेज में फॉर्च्यूनर गाड़ी की मांग कर रहे हैं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पुलिस के मुताबिक पीड़िता सीमा ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 2017 में मनीष सिंह के साथ हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही उसके ससुराल के लोग दहेज में फॉर्च्यूनर गाड़ी की मांग करने लगे। दहेज की मांग पूरी न होने पर उन्होंने उसके साथ मारपीट की तथा उसका गर्भपात करवाया। महिला का आरोप है कि उसकी हत्या का भी प्रयास किया गया। दहेज लोभियों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। पीड़िता ने परेशान होकर मामले की शिकायत पुलिस से की है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने महिला के पति समेत ससुराल पक्ष के कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में खत्म होगा छिजारसी रोड का जाम, एफएनजी मार्ग पर बनेगा फ्लाईओवर

नोएडा प्राधिकरण ने एक बार फिर फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी एक्सप्रेसवे) मार्ग पर छिजारसी के पास फ्लाईओवर बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। प्राधिकरण ने इसका सर्वे कर लिया है। अब डीपीआर तैयार कराई जाएगी। अभी छिजारसी के सामने अक्सर जाम लगा रहता है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि एफएनजी एक्सप्रेसवे पर छिजारसी से बहलोलपुर तक करीब 8.945 किलोमीटर हिस्से में सड़क बनाने का काम पूरा हो चुका है। वैसे एफएनजी का बचा काम जब शुरू होगा, तब हरियाणा सरकार अपने

एरिया में इस योजना पर काम शुरू कर देगी, लेकिन छिजारसी के सामने जाम की वजह से यहां फ्लाईओवर बनाया जाना जरूरी है।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि यह फ्लाईओवर करीब 700 मीटर लंबा बनाया जाएगा। ऐसे में जाम वाला हिस्सा पूरी तरह बच जाएगा और वाहन आसानी से पर्थला गोलचक्कर पर पहुंच अलग-अलग स्थानों को जा सकेंगे। इसके दोनों तरफ सर्विस लेन बनाकर नीचे के ट्रैफिक को रास्ता दिया जाए। इससे यहां पर लगने वाला जाम दूर होगा। इसके साथ ही एफएनजी का जो हिस्सा बन चुका है, उसकी भी उपयोगिता बढ़ेगी।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अभी लोग छिजारसी रास्ते पर लगने वाले जाम से बचने के लिए सेक्टर-62 मॉडल टाउन से नोएडा में प्रवेश कर सेक्टर-71 की ओर निकलते हैं। इससे फोर्टिस अस्पताल के सामने वाली सड़क पर वाहनों का दबाव अधिक रहता है। छिजारसी के सामने फ्लाईओवर बनने से जाम खत्म हो जाएगा। छिजारसी के सामने सड़क पर अतिक्रमण, टूटी सड़क व अन्य वजह जाम का कारण बन रही है। चार दिन पहले बारिश के दौरान यहां लंबा जाम लग गया था।

नोएडा में दीवार गिरी, गर्भवती महिला और 2 बेटियां दबीं

हादसे के बाद लोगों ने रेस्क्यू किया, दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हुए

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सलारपुर कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति की घर की दीवार गिर गई। इस घटना में उसकी पत्नी और दो बेटियां दब गई। गंभीर हालत में उपचार के लिए उन्हे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से उनकी बिगड़ती हालत को देखते हुए दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। वहां दोनों बेटियों की स्थिति अब स्थिर है।

दीवार के सहारे बैठा था परिवार

घटना के समय परिवार दीवार के सहारे बैठा हुआ था। अचानक दीवार गिरी। जिससे मलबा के नीचे सभी दब गए। इस दौरान चीख पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने ईट हटाकर दबे हुए लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

मलबा से निकालकर भेजा गया अस्पताल

सलारपुर गांव में राजू नामक एक व्यक्ति अपने परिवार के साथ रहते हैं। सोमवार की शाम को उनके मकान की दीवार अचानक भर-भराकर गिर गई। इस घटना के दौरान घर में मौजूद उनकी पत्नी आरती, बेटी पूजा (13) और सुमन (19) दीवार के मलबे में दब गई। जांच में पता चला है कि राजू की पत्नी गर्भवती है। तीनों को आसपास के लोगों ने मलबा से निकालकर नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया।

दिल्ली किया गया रेफर

पूजा और सुमन की बिगड़ता देख दोनों को दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार घबराया हुआ है। उसको डर है कि हादसा होने की वजह से उसकी पत्नी के पेट में पल रहे बच्चे तो नुकसान ना हो जाए। राजू को बड़ी अनहोनी का डर सता रहा है। डॉक्टरों की निगरानी में तीनों का इलाज चल रहा है।

मोबाइल कंपनी की लगेज लिफ्ट की चपेट में आए हेल्पर की मौत

नोएडा। मोबाइल पार्ट्स बनाने वाली कंपनी की लगेज लिफ्ट की चपेट में आने से हेल्पर की मौत हो गई। सोमवार शाम को सेक्टर-63 के बहलोलपुर स्थित कंपनी में हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हेल्पर की पहचान मूल रूप से औरेया निवासी आयान खान (19) के रूप में हुई है। कुछ माह पहले ही आयान की भर्ती हुई थी।

सोमवार शाम को फोर्टिस अस्पताल की तरफ से मिले मीमो से पुलिस को मामले की जानकारी मिली। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला है कि कंपनी की लगेज लिफ्ट का शीशा टूटा हुआ था। सोमवार शाम को आयान भूतल पर खड़े होकर लिफ्ट का इंतजार रहे थे। अचानक उन्होंने लिफ्ट की शॉफ्ट में झांक कर देखा।

इसी दौरान तेज रफ्तार में लिफ्ट के नीचे आने से वह बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

पुलिस के मुताबिक लगेज लिफ्ट का शीशा टूटा हुआ था। शिकायत के बाद भी कंपनी की तरफ से ठीक नहीं कराया गया था। मामले में परिजनों की तरफ से शिकायत नहीं मिली है।

रिश्वत लेने पर लेखपाल निलंबित, विभागीय जांच शुरू

दनकौर। उप ज़िलाधिकारी सदर ने रिश्वत लेने का वीडियो वायरल होने के बाद चीती गांव के लेखपाल को निलंबित कर दिया है। वीडियो में लेखपाल 10 हजार रुपये रिश्वत ले रहा है। जो सोशल मीडिया पर वायरल है। किसान का आरोप है कि पिछले 3 साल में लेखपाल और तहसीलदार मिलकर लाखों रुपये ऐंठ चुके हैं।

किसान सुरेंद्र ने बताया कि गांव में उनकी करीब 812 मीटर जमीन है। जमीन को लेकर परिवार के लोगों से 3 साल से विवाद चल रहा है। कई बार जिले के अधिकारियों से जमीन पर कब्जा दिलाने को लेकर शिकायत की गई है, लेकिन तहसीलदार और लेखपाल को रिश्वत देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका है। पीड़ित किसान ने करीब 6 दिन पहले तहसीलदार से समाधान के लिए कहा तो तहसीलदार भड़क गए और मुख्यमंत्री तक भी शिकायत करने पर भी कुछ नहीं होने की धमकी देकर भगा दिया गया। आरोप है कि लेखपाल ब्रजमोहन ने किसान से 12 हजार की मांग की। पैसे देने पर अधिकारियों से जमीन पर कब्जा कराने का आदेश पारित कराने का दावा किया। किसान ने लेखपाल को पैसे देने का वीडियो बना लिया। जिसको सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में लेखपाल किसान से 10 हजार रुपये लेता दिख रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद डीएम ने संज्ञान में लेकर एसडीएम सदर को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उसके बाद एसडीएम सदर ने आरोपी लेखपाल को निलंबित कर दिया।

ग्रेटर नोएडा पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेज बनाकर आरोपियों को जमानत दिलाता था गिरोह, कब्जे से भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज बरामद

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की सूरजपुर थाना पुलिस और स्वाट टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त कार्रवाई करते हुए पुलिस और टीम ने आरोपियों को फर्जी कागजात तैयार करके जमानत दिलवाने वाले ग्रहों का पर्दाफाश किया है।

इस दौरान पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज भी बराबर हुए हैं। इस ग्रुप के कई सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

दरअसल, पुलिस को आए दिन सूचना मिल रही थी कि एक गिरोह

सक्रिय है, जो कोर्ट में आए आरोपियों को फर्जी तरीके से जमानत दिलवाने का कार्य करता है। इसी सूचना पर पुलिस और स्वाट टीम ने कार्रवाई करते हुए सूरजपुर न्यायालय की तरफ जाने वाले रोड पर मोजर बीयर के पास से पांच लोगों को धर दबोचा है।

आरोपियों के पास से यह सामान हुआ बरामद

इस दौरान वरुण ,एजाज, इस्माईल ,बीरबल व नरेशचन्द गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इन आरोपियों के कब्जे से जमानत शपथ पत्र (कूटरचित छायाप्रति कुल 16 वर्क), आदेश जमानत उच्च न्यायालय इलाहाबाद, 01 वकालतनामा अधिवक्ता, रिपोर्ट तहसील तस्दीक सम्पत्ति जामीनान, 01 बेल बांड, शपथ पत्र जामिनान इस्माईल, जमानत शपथ पत्र तैमूर, खतौनी ग्राम अहेड़ा बागपत, 09 फर्जी आधारकार्ड, 01 बेलबांड सौरभ अ0सं0 268/2024 धारा 60/63 सेक्टर-24 नोएडा, 25 स्टैम्प मोहरे, खाली स्टाम्प 10 रुपये (16 वर्क), बेलबांड खाली (10 वर्क), शपथ पत्र जमानती खाली (20 वर्क), 02 स्टैम्प पैड़, खतौनी कुल (18 वर्क) व 15 ब्लैंक ए-फोर साईज, 03 मोबाइल फोन व अपराध में एक कार सैट्रो हुंडई बरामद किए गए।

फर्जी तरीके के कागजात तैयार दिलाते थे जमानत

दरअसल यह आरोपी न्यायालय में आए आरोपियों को जमानत दिलाने का कार्य करते थे ।यह लोग फर्जी तरीके के कागजात तैयार करते थे और उन्हीं के आधार पर आरोपियों को कोर्ट में जमानत मिलती थी।

बताया जा रहा है कि आरोपियों के वकील इन मामलों में इनसे संपर्क करते थे और यह लोग फर्जी तरीके से कागजात तैयार करके जमानत दिलवाया करते थे।

नोएडा में महिला कारोबारी से ठगे 3.15 करोड़

ट्रेडिंग ऐप से जोड़कर निवेश में मुनाफा का दिया झांसा

नोएडा। शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश करके बड़ा मुनाफा कमाने का झांसा देकर महिला कारोबारी से 3.15 करोड़ रुपए की ठगी कर ली। आरोपियों ने पीड़िता को वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़कर ठगी की। महिला ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। फिलहाल इस तरह के मामले होने पर तत्काल टोल फ्री नंबर 1930 और 155260 पर कॉल कर की जा सकती है। Cyber crime. gov.in पर ई-मेल के जरिए शिकायत की जा सकती है। पीड़िता जीवन ज्योति भारद्वाज ने बताया कि वह परिवार के साथ सेक्टर-122 में रहती हैं। उनकी अपनी कंपनी है। उन्होंने बताया कि उनके पास 22 मई 2024 को वॉट्सऐप पर मैसेज आया, जिसमें ऑनलाइन ट्रेडिंग करके मोटा मुनाफा कमाने की बात कही गई थी। इस दौरान उनको एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ दिया। इसके बाद ग्रुप एडमिन ने उनसे सीधा संपर्क किया। आरोपी ने बातचीत के दौरान उनके पास एक गूगल लिंक भेजा, जिसके जरिए उन्होंने एक ट्रेडिंग ऐप को डाउनलोड किया।

पीड़िता ने एक लाख का निवेश किया, जिसमें उनको 40 हजार का मुनाफा हुआ। इसके बाद वह लगातार रुपए निवेश करती गईं, जिसमें उनको कई बार मुनाफा मिला। आरोपी ने उनसे अगले टास्क में कई कंपनियों में आईपीओ में निवेश करने के लिए कहने लगे।

ऑनलाइन लेक्चर देते थे आरोपी

शेयर बाजार को लेकर उनको जालसाज़ ऑनलाइन लेक्चर भी देते थे। वे कंपनी के बारे में और शेयर बाजार से जुड़ी सारी जानकारी देते थे। इसकी वजह से वह लगातार जालसाज़ के बताए अनुसार निवेश करती गईं। उन्होंने कुल तीन करोड़ 15 लाख 80 हजार रुपए का निवेश कर दिया। जालसाज़ के दिए गए ऐप में निवेश की गई रकम कई गुना दिखाई दे रही थी।

तीन गांव की जमीन का अधिग्रहण कर नोडल एजेंसी को सौंपा

जेवर (संवाद)। जिला प्रशासन ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे चरण में अधिगृहीत जमीन पर कब्जा लेते हुए एयरपोर्ट की नोडल एजेंसी यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) को सौंपने का काम शुरू कर दिया है। मंगलवार को प्रशासन की टीम ने पहले दिन तीन गांव की 236 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा प्राप्त करते हुए यीडा को सौंपा।

अब इस जमीन पर जल्द एयरपोर्ट के दूसरे चरण के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। वहीं, बचे हुए तीन गांव की जमीन के अधिग्रहण एवं कब्जे की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही इन गांव की जमीन को प्रशासन नोडल एजेंसी को सौंपेगा। अपर जिलाधिकारी बच्चू सिंह ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के विस्तारीकरण के दूसरे चरण के लिए भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 के तहत प्रक्रिया शुरू की गई है। इसमें छह गांव रन्हेरा, कुरैब, करौली बांगर, दयानतपुर, वीरमपुर एवं मुढरह की कुल 1181.2793 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

आगरा में पेड़ से टकराई कार, 3 दोस्तों की मौत

गाय को बचाने के चक्कर में हुआ एक्सीडेंट, बटेश्वर की ओर लौट रहे थे तीनों

आगरा। आगरा के बाह में रात करीब 10 बजे एक तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में तीन दोस्तों की ऑन द स्पॉट मौत हो गई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। तीनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

मामला बाह के बिजकौली में हुआ है। हादसे के बाद कार में फंसे बासौनी के पुरा नीमडाडा गांव के रहने वाले तीन दोस्तों की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक- एक गाय बीच सड़क पर आ गई, तभी तेज रफ्तार आ रही कार उसे बचाने के चलते पेड़ से जा टकराई।

तीनों की पहचान बासौनी के पुरा नीमडाडा गांव के तीन दोस्त विपिन (26) पुत्र सुरेश, श्याम सुंदर (30) पुत्र राम अवतार, सूरज (22) पुत्र मुन्नालाल सोमवार रात 9.30 बजे के करीब कार से बटेश्वर की ओर से घर लौट रहे थे।

लोगों ने पुलिस को बताया कि तेज रफ्तार कार बीच सड़क पर आई गाय को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। टक्कर से हुई धमाके की आवाज पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे।

क्षतिग्रस्त कार में तीन लोगों के फंसे लोगों को निकाला गया।

इन्हें एंबुलेंस की मदद से बाह सीएचसी भिजवाया। यहां पर चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

प्रभारी निरीक्षक बाह श्याम सिंह ने बताया कि मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी में रखवा गया है। मंगलवार को तीनों का पोस्टमॉर्टम होगा। सभी के परिजनों को सूचना दे दी गई है। वह अस्पताल आ गए हैं।

आगरा में युवक की गोली मारकर हत्या

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के बरहन क्षेत्र में कथा पंडाल में सो रहे एक नवयुवक की सोमवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आवंलखेड़ा गांव में राजाराम (18) बौद्ध कथा पंडाल की स्टेज पर सो रहा था। आयोजन कमेटी के कुछ अन्य सदस्य भी यहां सोए हुए थे। आधी रात को गोली चलने की आवाज आई तो यहां सो रहे अन्य लड़के जाग गए। आंख खुली तो उन्होंने देखा कि राजाराम के सीने में गोली लगी हुई थी और वह बेसुध पड़ा था। आशंका है कि गोली लगते ही राजाराम की मौत हो गई। युवकों ने परिजनों को सूचना दी। राजाराम के चाचा की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। थाना बरहन पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है जल्द हत्यारों का पता लगाकर गिरफ्तार किया जाएगा।

दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा : दो आरोपी गिरफ्तार

ई-रिक्शे के किराए को लेकर की थी मां-बेटे की हत्या

फतेहपुर। फतेहपुर में विगत तीन दिन पहले घर के अंदर मां बेटे की ईंट से सिर कूचकर निर्मम हत्या करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त ईंट और खून से सना कपड़ा भी बरामद किया है। जिसका पुलिस अधीक्षक ने खुलासा किया है।

पुलिस लाइन परिसर के मनोरंजन कक्ष में दोहरे हत्याकांड का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह ने बताया कि बकेवर थाना क्षेत्र के रूसी गांव में 29 जून की दोपहर में गांव के रहने वाले स्व-रामसहाय अवस्थी के पुत्र शिवम अवस्थी ने सूचना दिया कि मेरी मां माया देवी 55 वर्ष और बड़े भाई सत्यम अवस्थी का खून से लथपथ शव पड़ा है।सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का जायजा लेने के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था।

मृतक के भाई शिवम की तहरीर पर गांव के एक युवक रवि कश्यप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू किया गया तो छानबीन में जिस युवक पर आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया गया।

शार्ट न्यूज

पुलिस ने जुआ खेलते पांच आरोपी को किया गिरफ्तार

ललितपुर। बानपुर अपराधियों की धर पकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जायस पुलिस ने मंगलवार को जुआ खेलते पाऐ लोगों को रंगे हाथ दबोच लिया। पुलिस ने फड़ से 2900 रुपये तथा ताश का पत्ता बरमाद करते हुए केस दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी महरौनी के नेतृत्व में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में मुखबिर खास से सूचना पर जियो पेट्रोल पम्प के पीछे बने एक कमरे की दीवार के पीछे कुछ लोग हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे है इस सूचना पर बानपुर पुलिस द्वारा मौके पर जाकर जुआ खेल रहे पांच व्यक्ति को मय मोटरसाइकिल सहित पकड़ लिया ।

दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। महरौनी पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी महरौनी अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के क्रम में थाना महरौनी पुलिस द्वारा थाना महरौनी में पंजीकृत मु0अ0सं0 149/2024 धारा 376/342 भादवि में वाँछित अभियुक्त राघवेन्द्र यादव पुत्र हजरत यादव उम्र करीब 22 वर्ष निवासी ग्राम बानौनी थाना बानपुर को मुखबिर खास की सूचना पर पुतरी घाट के जामनी नदी के पुल के ऊपर बहद ग्राम पडवां थाना महरौनी जिला ललितपुर से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करते हुये सम्बन्धित माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है । गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र अतिरिक्त निरीक्षक उदयवीर सिंह हे.का. किशुनलाल वर्मा का. आशीष कुमार , आदि शामिल रहे।

जिला बदर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ललितपुर। जाखलौन, पुलिस ने जिला बदर आरोपी को किया गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के क्रम में थाना जाखलौन पुलिस द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर ग्राम दावनी मे नहर पुलिया के पास से जिलाबदर अभियुक्त रवीन्द्र लोधी पुत्र लल्लू लोधी उम्र करीब 31 वर्ष निवासी ग्राम दावनी थाना जाखलौन जिला ललितपुर को हिरासत पुलिस मे लिया गया, अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध थाना हाजा पर मु0अ0सं0 139/24 धारा 3/10 उ0प्र0 गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम उ.नि. अरविन्द कुमार कुमार .का. सुधीर कुमार आदि शामिल रहे।

कल होगा नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर। जिले की तहसील मिश्रिख क्षेत्र के एक गांव में नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आयोजकों ने नेत्र शिविर में उपस्थित होकर आंखों की जांच कराकर शिविर का लाभ लेने की लोगों से अपील की है। जानकारी के अनुसार जिले की तहसील मिश्रिख के बर्मी गांव में रोजगार सेवक अमित कश्यप के द्वारा सीतापुर आंख अस्पताल के सहयोग से चार जुलाई को नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जाएगा।इस शिविर में आंखो की समस्या से परेशान मरीजों का नि:शुल्क इलाज और आपरेशन सीतापुर आंख अस्पताल के द्वारा नि:शुल्क किया जाएगा।वही रोजगार सेवक अमित कश्यप ने क्षेत्र के लोगो को जागरूक करते हुए अधिक से अधिक लोगो को शिविर में पहुंचने की अपील की है।

फाइलेरिया जागरूकता को लेकर पी सीआई ने ग्राम प्रधानों व किसानों के साथ की बैठक

सीतापुर। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत बिसवां ब्लॉक के कटिया गांव में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के सभागार में फाइलेरिया जागरूकता को लेकर एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशल (पीसीआई) संस्था के तत्वावधान आयोजित हुई। बैठक में आगामी दस अगस्त से शुरू हो रहे सर्वजन दवा सेवन अभियान (आईडीए राउंड) के बारे में चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र की डॉ. रीमा ने बैठक में मौजूद ग्राम प्रधानों एवं किसानों से अपील की, कि वह अपने गांव में इस अभियान का शुभारम्भ स्वयं दवा खाकर करें। इसके बाद अपने परिवारी जन,आस-पास के लोगों व गांव के अन्य बाशिंदों को दवा खाने के लिए प्रेरित करें।क्योंकि फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है और इससे बचने का एकमात्र उपाय समय पर फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन करना है जिससे कि समय रहते फाइलेरिया के परजीवी पर नियंत्रण पाया जा सके। इस मौके पर पीसीआई की जिला समन्वयक अंशू मिश्रा ने कहा कि आगामी 10 से 28 अगस्त के मध्य सर्वजन दवा सेवन अभियान (आई डीए) चलाया जाएगा ।

घरेलू विवाद से परेशान युवक ने लगाई फांसी

हाथरस। हाथरस में पत्नी से हुई कहासुनी के बाद एक युवक ने फांसी पर लटक कर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना परिवार के लोगों ने पुलिस को दी। हाथरस जंक्शन पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। यह युवक नशे का भी आदी था। कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव रामपुर नई बस्ती निवासी 28 वर्षीय छोटू पुत्र पप्पू गन्ने का जूस निकालने की मशीन चलाता था। करीब 4 साल पहले उसकी शादी हरदुआगंज क्षेत्र के गांव कलाई में हुई थी। शादी के बाद उसकी दो बच्चियों भी हुई। उसकी अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। तब उसके पिता ने यह विवाद शांत कर दिया। इसके उपरांत पप्पू ने अपनी पत्नी के दुपट्टे को फांसी का फंदा बनाकर उससे लटक कर अपनी जान दे दी। मौके पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना पाकर कोतवाली हाथरस जंक्शन पुलिस भी वहां पहुंच गई। पुलिस ने वहां पहुंचकर छानबीन और पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतक के परिजनों का कहना है कि वह शराब और चरस आदि के नशे का भी आदी था। नशेबाजी में ही उसने यह कदम उठाया है।

लखनऊ में 10 घंटे तक बिजली कटौती

लखनऊ। लखनऊ में बारिश शुरू होने के साथ ही बिजली संकट बढ़ गया है। पिछले 24 घंटे में 20 से ज्यादा इलाकों में बिजली कटौती की गई। इस दौरान करीब 5 लाख से ज्यादा लोग अघोषित कटौती, केबल लाइन फॉल्ट और लो-वोल्टेज से परेशान रहे। कई इलाकों में तो पूरे दिन में 10 से 15 बार बिजली काटी जा रही है। शहर में गोमती नगर विस्तार, इंदिरा नगर, उतरठिया, महानगर, आलमबाग, हिंद नगर, राजाजीपुरम, जानकीपुरम, बालागंज, कमता, दुबग्गा समेत कई इलाकों में लगातार बिजली कटौती की शिकायतें मिल रही हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि दिन और रात में होने वाली कटौती से सभी परेशान हैं। चिनहट इलाके में बिजली 10 घंटे से ज्यादा समय गायब रही। चिनहट थाने में भी बिजली रात 2 बजे कटी थी जो मंगलवार दिन में बहाल हो पाई। बताया जा रहा है कि तकनीकी खराबी की वजह से ऐसा हुआ है। बिजली कटौती की वजह से विभाग का काम भी प्रभावित हुआ। पुलिसकर्मियों ने बताया कि कंप्यूटर नहीं चले जिससे मुकदमा दर्ज करने से लेकर कई ऑनलाइन नहीं हो पाए। कर्मचारियों की स्थिति भी खराब रही। उमस से भरी गर्मी में उनको काम करने में काफी परेशानी हो रही है। उमस की वजह से पुलिसकर्मियों को कमरे के बाहर रहकर काम करना पड़ा। बालागंज निवासी ज्योति सिंह ने बताया कि उनके इलाके में पूरे दिन बिजली का आना-जाना लगा रहता है। उन्होंने बताया कि पिछले 20 दिन से यही हाल है। कई बार तो 2-2 घंटे तक लगातार बिजली कटौती की जाती रही है।

मेरठ में व्यापारी ने युवती से की रेप की कोशिश

मां-बेटी को बनाया बंधक, पुलिस पर भी लगे कार्रवाई न करने के आरोप

मेरठ। मेरठ में एक घर में काम करने वाली युवती के साथ मकान मालिक ने छेड़छाड़ कर रेप की कोशिश की। इस दौरान पीड़िता और उसकी मां की आरोपी ने बंधक बनाकर पिटाई कर दी। किसी तरह बचकर पीड़िता थाने पहुंची। साथ एसएसपी से भी शिकायत की है।

पुलिस ने नहीं की कोई कार्रवाई

मामले में पीड़िता ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। मां-बेटी मंगलवार को न्याय मांगने एसएसपी के पास पहुंच गई। एसएसपी ने पीड़ित मां-बेटी को मकान मालिक पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला अपनी बेटी के साथ हरीनगर निवासी एक कपड़ा व्यापारी के मकान में बर्तन और कपड़े धोने का काम करती हैं।

पीड़िता का आरोप है कि वह सोमवार को अपनी बेटी के साथ कपड़ा व्यापारी के घर काम करने पहुंची थी। तभी कपड़ा व्यापारी ने महिला की बेटी के साथ छेड़छाड़ करते हुए रेप की कोशिश की।

मामले को लेकर एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने आरोपी पर सख्त कार्रवाई की बात कही है। थाना पुलिस को मामले की जांच करने का आदेश दिया है।

रेलवे ट्रैक के पास मिला युवक का शव

महराजगंज। महराजगंज के कोठीभार थाना क्षेत्र के गुरली रामगढ़वा रेलवे स्टेशन से कुछ दूर रेलवे ट्रैक के पास नीचे गड्ढे में एक युवक की हत्या कर फेंकी गई लाश मिली है। मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्यवाही में जुट गयी है। बताया जा रहा है कि कोठीभार थाना क्षेत्र के सबया दक्षिण टोला और गुरली रामगढ़वा रेलवे स्टेशन के बीच में रेलवे ट्रैक के बगल गड्ढे में आज मंगलवार को एक युवक की हत्या कर फेंकी गई लाश मिली है। शव की सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी दी। सिसवा पुलिस चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में ले लिया। मृतक युवक की पहचान 22 वर्षीय विजय पुत्र सुग्रीव चौहान निवासी सबया दक्षिण टोला के रूप में हुई है।

वाराणसी में फेरी-ठेला व्यापारियों ने नगर निगम कार्यालय घेरा

उत्पीड़न का लगाया आरोप, 5 सूत्रीय मांगों को लेकर जमकर की नारेबाजी

वाराणसी। वाराणसी नगर निगम कार्यालय के बाहर फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति के हजारों व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। व्यापारियों का कहना है कि हमारी 5 सूत्रीय मांगों को जब तक नहीं माना जाएगा तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

धरना पर बैठे व्यापारियों का कहना है कि नगर निगम अतिक्रमण दस्ता से जब्त सामान छुड़ाने का नियम बहुत कठिन है। ज्यादा देर होने पर उनके सामान नष्ट हो जाते हैं। इससे पटरी व्यवसायी को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। नियम को सरल बनाएं।

धरने पर बैठे व्यापारियों का धरना समाप्त करने के लिए अपर नगर आयुक्त मौके पर पहुंचे लेकिन सभी ने नगर आयुक्त से मुलाकात करने की बात कही। पांच सूत्रीय मांगों को लेकर व्यापारियों का धरना जारी है।

फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति के सचिव अभिषेक निगम ने आरोप लगाते हुए कहा-नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन वाराणसी की संयुक्त टीम फेरी पटरी ठेला व्यवसायियों की धारा 34 और धारा 151 में चालान पर सामान जब्त कर थाने पर ले जा रहे है। यह निंदनीय कार्यवाही है। चरणबद्ध ज्ञापन सौंपे जाने का निर्णय संघर्ष समिति द्वारा लिया गया था।

जौनपुर में शहाबुद्दीन गैंग का शूटर एनकाउंटर में ढेर

एसटीएफ पर एके-47 से फायरिंग की, भाजपा नेता की हत्या में वांटेड था चवन्नी सिंह

जौनपुर। जौनपुर में यूपी एसटीएफ ने 1 लाख के इनामी बदमाश सुमित सिंह उर्फ मोनू चवन्नी (35) को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। मंगलवार सुबह 4 बजे चवन्नी 2 साथियों के साथ बोलेरो से जा रहा था। इनपुट के आधार पर एसटीएफ ने उसे रोका, तो उसने कार दौड़ा दी।

एसटीएफ ने पीछा किया तो फायरिंग करने लगा। जवाबी फायरिंग में एसटीएफ ने उसके मुंह पर गोली मार दी। एसटीएफ उसे जिला अस्पताल ले गई। जहां उसकी मौत हो गई। चवन्नी के 2 साथी मौके से भाग गए।

एसटीएफ ने शूटर से एके-47, 9-एमएम पिस्टल, बोलेरो और कारतूस बरामद किए। मऊ का चवन्नी सिंह भाजपा नेता की हत्या में वांटेड था। वह बिहार के शहाबुद्दीन गैंग का शूटर था। उस पर यूपी-बिहार में 24 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसमें 10 केस हत्या के हैं।

भाजपा सांसद के प्रतिनिधि की हत्या में वांटेड था

बिहार के सिवान में 23 नवंबर 2014 को भाजपा सांसद के प्रतिनिधि श्रीकांत भारती की हत्या में वांटेड था। एसटीएफ के मुताबिक, चवन्नी सिंह सुपारी किलर था। 23 सितंबर, 2014 को चवन्नी ने बलिया के कारोबारी परशुराम तिवारी और उनके बेटे की हत्या की थी। वारदात के बाद चवन्नी ने कारोबारी की पत्नी से फोन कर कहा- अब मार दिए हैं तो क्या हुआ? माफ नहीं करोगी। गवाही मत दो नहीं तो सब मारे जाएंगे। चवन्नी सिंह मूल रूप से यूपी में मऊ जिले के नरई इमलिया इलाके का रहने वाला था। वह इलाहाबाद के हिंदू हॉस्टल, छत्तीसगढ़, बिहार और जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों में छिपकर वारदातों को अंजाम देता था।

एके-47 से की फायरिंग

एसपी अजय पाल शर्मा ने बताया- एसटीएफ और पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन में बदमाश को ढेर किया। हमें सूचना मिली थी कि चवन्नी शाहगंज की तरफ से आ रहा है। इनपुट के आधार पर टीम बदलापुर के पास पीली नदी के पुल पर पहुंची। थोड़ी देर में चवन्नी बोलेरो से आया। उसे रोकने की कोशिश की गई, लेकिन वह भागने लगा। टीम ने उसका पीछा किया। चवन्नी कार में बैठकर ही एके-47 से ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगा। जवाब में एसटीएफ ने फायरिंग की। उसे गोली लग गई। यह देखकर उसके दोनों साथियों ने बोलेरो खड़ी की और अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। एसटीएफ चवन्नी को जिला अस्पताल ले आई। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुलतानपुर में तार गिरा, करंट से दो भाईयों की मौत

दादा को बचाने दौड़ी पोती भी झुलसी, खेत पर काम करते समय हुई घटना

सुलतानपुर। विद्युत विभाग की लापरवाही से दो सगे किसान भाइयों की करंट के चपेट में आने से मौत हो गई है। हादसे में एक किशोरी झुलस गई है जिसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना मंगलवार को चांदा थानाक्षेत्र के सोनावा गांव में घटित हुई।

गांव निवासी छोटे लाल यादव (60 वर्ष) पुत्र कालू यादव खेत देखने के लिए मंगलवार सुबह गए थे। उनके खेत के पास ही वो विद्युत विभाग के लगे बिजली के खम्भे पर लटक रहे तार के करंट की चपेट में आ गए। उन्होंने मदद के लिए गुहार लगायी।

इस पर छोटा भाई रामदीन यादव व उनकी पोती अर्चना दौड़ी। रामदीन व अर्चना छोटे लाल को पकड़ते ही करंट की चपेट में आ गए। इसमें छोटे लाल व रामदीन की घटनास्थल पर मौत हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना चांदा पुलिस को दी।

सीएचसी में चल रहा किशोरी का इलाज

थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और झुलसी अर्चना (17) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पीपी कमैचा भिजवाया जहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। उधर घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने दोनों भाइयों के शव को पोस्टमॉर्टम में भेजकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों की माने तो सोमवार को हुई बरसात के बीच खम्भे से तार टूट कर लटक गया था। जिसकी सूचना ग्रामीणो ने जेई को दी थी। लेकिन सूचना पर यह कहकर टाल मटोल किया गया कि कल ठीक कराया जाएगा।

डॉ0 से बीस लाख रुपये की रंगदारी मांगने वाला वांछित बदमाश चढ़ा पुलिस के हत्थे

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाने पर पंजीकृत मु0अ0सं0 537/2024 धारा 387/506 भादवि में वांछित अभियुक्त अनिल साहू पुत्र हरीराम साहू उम्र करीब 21 वर्ष नि0 गोविन्द नगर थाना कोतवाली को मुखबिर की सूचना पर ग्राम राजघाट से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी । मुकदमा डॉक्टर विनोद साहू पुत्र मोतीलाल निवासी गोविन्द नगर थाना कोतवाली ललितपुर के द्वारा तहरीर देकर अवगत कराया गया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल पर फोन कर अवैध 20 लाख रुपये की मांग करना न देने पर वादी व वादी के पुत्र को जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में सूचना दी गई थी। सूचना के आधार पर तत्काल थाना कोतवाली पर सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत किया गया था । घटना की संवेदनाशीलता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में 06 टीमे गठित की गयी जिसमें स्वाट टीम, सर्विलांस, साइबर , थाना कोतवाली

पुलिस व अन्य थानों की पुलिस टीमो को लगाया गया था। धरातलीय सूचना, सर्विलांस व अन्य एकत्रित साक्ष्यों की मदद से अभियुक्त अनिल साहू को गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त अनिल साहू ने पूछताछ में बताया कि दिनेश साहू व शिवम परिहार मेरे दोस्त है । दिनेश साहू डाक्टर विनोद साहू के पड़ोस में रहता है। दिनेश को जोए इलेक्ट्रिक स्कूटी की एजेन्सी खोलनी थी जिसके लिये उसे रूपयों की जरूरत थी । और मैं भी कोई काम काज नही करता हूँ मुझे भी रूपयो की जरूरत थी इसलिये हम सभी लोगो ने मिलकर डाक्टर से 20 लाख रूपये रंगदारी की मांग की थी क्योकि डाक्टर सीधे साधे व्यक्ति है हमें यह विश्वास था कि डाक्टर डर कर रूपये दे देगे।

ट्रक के साथ दो पशु तस्कर गिरफ्तार

रायबरेली। रायबरेली में गोवंश की तस्करी करके ले जा रहे एक ट्रक को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया। गोवंशों के लदे ट्रक को बरामद करने की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दो लोग गिरफ्तार कर लिए गए। जबकि 3 अभियुक्त फरार हो गए। मामला सलोन थाना क्षेत्र के बिसैया गांव का है। बजरंग दल के जिला संयोजक सुरेश सिंह ने बताया कि सलोन क्षेत्र में गो तस्करी की घटना काफी दिनों से हो रही है। जिसकी सूचना बजरंग दल को प्राप्त हो रही थी। हमारे युवा कार्यकर्ता कई दिन से सतर्क थे। कल रात हमारे युवाओं को सूचना मिली बिसैया गांव के पास गौवंश लादे जा रहे हैं। जिस पर कार्यकर्ता पहुंचे और वहां ट्रक को रुकवाया। साथ ही उसमे लदे गोवंश को मुक्त कराया। पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची। इसमें एक व्यक्ति वीरेंद्र पासवान व दो अन्य लोग पकड़े गए हैं। वहीं डॉक्टर सुरेंद्र कुमार इंचार्ज पशु अस्पताल सलोन ने बताया कि ट्रक में से कुल 12 गौवंश पकड़े गए हैं, जिन्हें अस्थाई गौशाला भवानीपुर भेजा गया है। इनका विवरण दर्ज करते हुए उनकी टैगिंग की गई है और गौशाला में सुरक्षित कर लिया गया है।

इटावा नगर पालिका में घोटाले को लेकर चेयरमैन निशाने पर

इटावा। इटावा जिले में स्थित जसवंतनगर पालिका परिषद में पांच करोड़ रुपये के घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चैयरमैन की घेराबंदी शुरू कर दी है।

भाजपा के जसवंतनगर मंडल अध्यक्ष अजय यादव बिंदु ने नगर पालिका परिषद में करीब पांच करोड़ के कथित घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री से लेकर शासन स्तर तक शिकायत भेजी है वहीं सपा से जुड़े वरिष्ठ सभासद राजीव यादव ने भी चेयरमैन के खिलाफ मोर्चेबंदी की है।

बिना टेंडर के ही दीवारों पर वॉल पेंटिंग कराए जाने पर सवाल उठाते हुये अजय बिंदु ने कहा कि 29 जून को टेंडर खुलने थे लेकिन टेंडर से पहले ही दीवारों पर वॉल पेंटिग करा दी गई है,यह कोई नयह बात नहीं है, लगातार नगर पालिका परिषद में इसी तरीके से गोलमाल किया जा रहा है। यह गोलमाल कोई एक दो रुपए का नहीं बल्कि लाखों का है अगर सही ढंग से इसको रखेंगे तो यह संख्या करीब पांच करोड़ रुपये से अधिक की भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि जसवंतनगर के विधायक सपा महासचिव शिवपाल सिंह यादव हैं और नगर पालिका परिषद के चैयरमैन सत्यनारायण शंखवार है जो शिवपाल के बेहद नजदीकी माने जाते हैं। नगर पालिका में जो कुछ भी गड़बड़ झाला हो रहा है जिसका आरोप सत्यनारायण शंखवार के ऊपर लग रहा है, जाहिर है कि संरक्षण शिवपाल सिंह यादव की ओर से जरूर ही मिला हुआ होगा इसीलिए संखवार हिम्मतऔर हिमाकत दिखा पा रहे है। बिंदु ने शासन प्रशासन से मांग की है कि 29 जून को डाले जाने वाले टेंडरो की प्रक्रिया पूरी तरह से निरस्त किया जाये। नगर में सामुदायिक शौचालयों पर वॉल पेंटिंग आदि कार्यों के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा समाचार पत्रों में टेंडर सूचना निकालकर 29 जून को टेंडर डाले जाने की तिथि घोषित की गई थी लेकिन 29 जून से पहले ही सामुदायिक शौचालयों पर वॉल पेंटिंग हो चुकी है। भाजपा नेता का आरोप है कि नगर पालिका परिषद में ठेकेदारो और परिषद के जिम्मेदार लोगों के बीच सांठ- गांठ चल रही है और मनमानी ढंग से ठेके दिए जा रहे हैं । सरकार द्वारा विकास कार्यों के लिए धन प्रदान किए जाने के बाद ही मुंहलगे ठेकेदारों को काम का बंटवारा कर दिया जाता है और टेंडर प्रक्रिया का बाद में दिखावा किया जाता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ खास ठेकेदारों के अलावा अन्य ठेकेदार जो नगर पालिका परिषद क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक है उनका रजिस्ट्रेशन नहीं किया जा रहा है। भाजपा के मंडल अध्यक्ष अजय यादव ने बताया कि इस बारे में अपर जिलाधिकारी अभिनव रंजन श्रीवास्तव के समक्ष दस्तावेदी तौर पर शिकायत की जा चुकी है जिसकी जांच उनके स्तर पर शुरू कर दी गई है। नगर पालिका परिषद के वरिष्ठ सभासद राजीव यादव बताते हैं कि नगर पालिका परिषद जसवंतनगर के अध्यक्ष सत्यनारायण ने करीब चार करोड़ से अधिक का गोल-माल किया है ।

पाकिस्तान की जेल से भागे 19 खूंखार कैदी... भारत का मोस्ट वांटेड भी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने भारत के एक मोस्ट वांटेड आंतकी को अपने घर में पाला हुआ था । अब पता चला है कि यह जेल तोड़कर भाग गया । पीआके के पुंछ में जिला जेल रावलकोट में मंगलवार को जेल ब्रेक की घटना हुई है । घटना में 19 कैदी फरार हो गए, इसमें से कुछ गंभीर अपराधों की सजा काट रहे थे । पिस्तौल के बल पर कैदियों ने जेल गार्ड को अपने कब्जे में लिया । जिन कैदियों ने भागने का प्लान बनाया था, वह मुख्य द्वार के गार्ड पर हावी हो गए । भागने वालों में मौत की सजा पाए छह कैदी भी शामिल हैं । इनका नाम साकिब मजीद, उस्मान इकरार, शमीर आजम, अमीर अब्दुल्ला, फैसल हमीद और नजीर यासीन है । भागने वाले अन्य कैदी नौमान आसिफ, आसिफ दिलबर और सकलैन सरफराज को 20 साल की सजा और मुकर्रम फैसल, साजिद नजीर और सोहेल रशीद को 10 साल की सजा हुई थी । गाजी शहजाद, फैजान अजीज, ओसामा मुर्तजा, उमाम मुस्तफा और मुहम्मद शब्बीर पर मुकदमा चल रहा था । एक अन्य कैदी हैबतुल्लाह लॉकअप में था । सूत्रों के हवाले से बताया कि गाजी शहजाद एक प्रतिबंधित संगठन का सदस्य है और भारत की ओर से वांटेड घोषित है । माना जा रहा है कि यही जेल तोड़ने का मास्टरमाइंड है । अधिकारियों ने इसकी जांच शुरू कर दी है कि जेल तोड़ने का कारण क्या था । जेल के कुछ अधिकारियों को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। जबकि कुछ अधिकारियों को पूछताछ के लिए गिरफ्तार किया गया है । हाई रिस्क के कैदियों को जेल से निकालकर दूसरी जगह ट्रांसफर किया गया है ।

पॉप गानों के बादशाह जैक्सन पर था 500 मिलियन डॉलर का कर्ज, माइकल ने आभूषण, कला, फर्नीचर और उपहारों पर लुटाया पैसा

न्यूयार्क । पॉप गानों के बादशाह माइकल जैक्सन को दुनिया से गए हुए 15 साल बीत चुके हैं और लेकिन आज भी माइकल सुर्खियों में हैं । उसके गलत कारणों से आज भी वह चर्चा का विषय बना हुआ है । एक रिपोर्ट के मुताबिक लॉस एंजिल्स में 50 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से इस पॉप गायक माइकल की मौत हो गई थी उस समय माइकल पर 500 मिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज था ।

रिपोर्ट के मुताबिक अदालत में दायर की गई फाइलिंग में माइकल की मृत्यु के समय उनके वित्तीय संकट के बारे में जानकारी दी गई है । रिपोर्ट में बताया गया है कि माइकल जैक्सन ने आभूषण, कला, फर्नीचर और उपहारों पर बहुत ज्यादा खर्च किया, साथ ही यात्रा की और पैसे दान किए। माइकल जैक्सन महान संगीत कलाकारों में से एक हैं और लोग आज भी उनके गानों पर थिरकते नजर आते हैं । किंग ऑफ पॉप के नाम से मशहूर माइकल जैक्सन ने कई दशकों तक अपने चाहने वालों और कलाकारों को प्रभावित किया है । कलाकार के जीवन में भी उतार-चढ़ाव आए हैं । माइकल पर बच्चों के साथ यौन शोषण के आरोप भी लगे थे । सबूतों की कमी और पुलिस द्वारा कभी भी कोई आपराधिक आरोप नहीं लगाए जाने के बावजूद, माइकल ने इस मामले को कोर्ट के बाहर ही सुलझा लिया और जांच बंद हो गई। किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन की बायोपिक पर काम कर रहे निर्माताओं ने इसकी रिलीज को हरी झंडी दे दी है । एंटोनी फूक्वा द्वारा निर्देशित और माइकल नामक बायोपिक 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होगी । इस फिल्म में दिवंगत पॉप स्टार माइकल के भतीजे जाफर जैक्सन नजर आएंगे, जो हॉलीवुड में जाफर की पहली फिल्म भी होगी । प्रोडक्शन हाउस लायंसगेट इस फिल्म को रिलीज़ करेगा और इसका निर्माण इस साल 22 जनवरी को शुरू हुआ था । यह बायोपिक माइकल जैक्सन के जीवन और उनके संगीत प्रतिभा पर बनाई गई है ।

सूडान में हुए हवाई हमले में 9 बच्चों की मौत, 11 घायल

खार्तूम । सूडान में अर्ध सैनिक बलों और सेना के बीच लड़ाई और तेज हो गई है । पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हवाई हमले में कम से कम नौ बच्चे मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए । एल फशर में एक गैर-सरकारी समूह, प्रतिरोध समिति ने एक बयान में कहा कि आरएसएफ के एक ड्रोन ने अल-फशर के अल-तिजानिया में अल-हिजरा मस्जिद पर प्रोजेक्टाइल से हमला किया, जिसमें नौ बच्चों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए । एक न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक जिस जगह को टारगेट किया गया था वो विस्थापितों को भोजन उपलब्ध कराने वाली एक रसोई थी । आरएसएफ ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है । 15 अप्रैल, 2023 से पूरे सूडान में आरएसएफ और सूडानी सशस्त्र बलों के बीच भीषण संघर्ष चल रहा है । इधर 10 मई से एल फशर में भीषण झड़पें हो रही हैं । मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने पिछले महीने एक अपडेट में कहा कि घातक झड़पों में अब तक 16,650 लोगों की मौत हो चुकी है । संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने जून की शुरुआत में अनुमान लगाया था कि मौजूदा संघर्ष में सूडान में कम से कम 7.3 मिलियन लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं ।

टैटू बनवाना हेल्थ के लिए काफी खतरनाक

-टैटू से बढ़ सकता है ब्लड कैंसर का खतरा

लंदन । ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि टैटू बनवाना हेल्थ के लिए काफी खतरनाक है । स्वीडन में किए गए एक स्टडी में पाया गया कि टैटू से ब्लड कैंसर का खतरा बढ़ सकता है । इससे लिंफोमा बढ़ने का 21 प्रतिशत रिस्क हो सकता है । एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्वीडन में लिंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया कि टैटू से भी कैंसर का रिस्क हो सकता है । शोधकर्ताओं ने 10 साल यानी 2007 से 2017 तक स्वीडिश नेशनल कैंसर रजिस्टर का विश्लेषण किया । इसमें 20 से 60 वर्ष के लोग शामिल थे । स्टडी में मिला कि टैटू बनवाने वाले लोगों में बिना टैटू वाले लोगों की तुलना में लिंफोमा का खतरा 21 प्रतिशत अधिक था । वहीं जिन लोगों ने पिछले 2 सालों में टैटू बनवाया था उनमें लिंफोमा का खतरा 81 प्रतिशत अधिक था । शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह समझना जरूरी है कि टैटू के लिए कौन सी स्याही यूज हो रही है यानी इसमें कौनसा केमिकल है, जो लिंफोमा के खतरे को बढ़ा सकते हैं । हालांकि, यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है बस दोनों के बीच कनेक्शन होने का दावा किया जा रहा है । अगर आप टैटू बनवाने के काफी शौकीन हैं तो इतनी चिंता करने की जरूरत नहीं है । आप बस कुछ बातों का ख्याल रखकर भी टैटू बनवा सकते हैं । टैटू बनवाने के लिए किसी आप किसी प्रोफेशनल टैटू आर्टिस्ट को ही चुनें । इसके अलावा उस जगह पर जाएं जहां हाइजीन का काफी ख्याल रखा जाता हो । टैटू मशीन पूरी तरह से क्लीन हो । इसके अलावा हमेशा अच्छे ब्रांड का इंक यूज करवाएं । लोकल क्वालिटी वाले इंक से टैटू न बनवाएं । अगर आपको कोई गंभीर बीमारी है तो स्किन स्पेशलिस्ट से सलाह जरूर लें । बता दें कि कई लोगों को टैटू बनवाने का शौक होता है । लोग अधिक फैशनेबल दिखने के लिए टैटू बनवाते हैं ।

ट्रंप को लेकर कमला हैरिस से भिड़ गए एलन मस्क, कहा- झूठ बोलना अब काम नहीं करता है

वॉशिंगटन । टेस्ला के सीईओ और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने कमला हैरिस पर ट्रंप को लेकर किए गए सोशल पोस्ट को लेकर निशाना साधा है । हैरिस ने एक पोस्ट में लिखा था कि ट्रम्प देश भर में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाएंगे और उसे रोकने और महिलाओं की प्रजनन प्रणाली को बहाल करने के लिए सब कुछ करने का वादा किया । ट्रम्प ने पिछले सप्ताह महीनों के संदेशों और अटकलों के बाद संघीय गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि गर्भपात की सीमा राज्यों पर छोड़ दी जानी चाहिए । उन्होंने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा कि मेरा विचार अब यह है कि हमारे पास गर्भपात है जहां हर कोई इसे कानूनी दृष्टिकोण से चाहता है, राज्य वोट या कानून या शायद दोनों द्वारा निर्धारित करेंगे । और वे जो भी निर्णय लेते हैं वह देश का कानून होना चाहिए । ट्रम्प ने रो वी वेड मिसाल को समाप्त करने के अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का श्रेय लिया है, जिसने गर्भपात का संवैधानिक अधिकार दिया था ।

पेरिस में आरएन पार्टी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान आंसू गैस के गोल दागे गये , इस दौरान वहां से निकलता हुआ एक साइकिल सवार।

गाजा में हमास को खत्म करने के करीब : नेतन्याहू

यरूशलेम । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वो गाजा पट्टी में हमास को खत्म करने के अंतिम चरण में पहुंच गए हैं । मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा कॉलेज के कैडेटों के साथ एक बैठक सोमवार को हुई जिसमें उन्होंने कहा कि हम हमास को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं । इससे एक दिन पहले नेतन्याहू ने गाजा डिवीजन का दौरा किया था और रक्षा मंत्री योआव गैलेंट और सेना के वरिष्ठ कमांड के साथ एक सुरक्षा बैठक की । जिसमें उन्होंने अनुमान लगाया कि लड़ाई अब अंतिम दौर में पहुंच गई है । बैठक में रफा में हमास पर सैन्य दबाव जारी रखने पर जोर दिया गया । सोमवार को इजरायली रक्षा बलों ने पूर्वी खान यूनिस से नागरिकों को बड़े पैमाने पर निकालने का आदेश दिया । इससे यह संकेत मिलता है कि सेना जल्द ही दक्षिणी गाजा शहर में अपने हमले फिर से शुरू कर सकती है । इस इलाके में हमास के सशस्त्र बल संगठित होकर इजरायल से लड़ रहे हैं । इजरायल ने अप्रैल की शुरुआत में खान यूनिस में बड़े पैमाने पर हमला किया था और उसके बाद अपने अधिकांश बलों को वापस बुला लिया था ।

पड़ोस के पलटूराम फिर पटलने को तैयार, आधी रात को हुई सीक्रेट मीटिंग के बाद क्या गिर जाएगी प्रचंड सरकार?

काठमांडू, (एजेंसी)। नेपाल में एक और अभूतपूर्व मोड़ में दो सबसे बड़े दलों नेपाली कांग्रेस और नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (सीपीएन-यूएमएल) ने प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल को हटाने के लिए एक नया गठबंधन बनाने के लिए आधी रात को समझौता किया है। दोनों पार्टियों के नेताओं के हवाले से रिपोर्ट के मुताबिक 'प्रचंड' सत्ता से बाहर हो गए हैं। यह घटनाक्रम प्रचंड द्वारा चौथी बार विश्वास मत जीतने के ठीक एक महीने बाद घटित हुआ है। समझौते पर आधी रात को नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) के अध्यक्ष और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली ने ओली डेढ़ साल तक सरकार का नेतृत्व करेंगे, जिसके बाद वह

अगले चुनाव तक शेष 1.5 साल के लिए देउबा को सत्ता हस्तांतरित करेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने खड़ा किया है। ओली को नेपाल की राजनीति में 'पलटूराम' के नाम से जाना जाता है। उनकी छवि ऐसी है कि नेपाल की राजनीति में ओली पर कोई भरोसा नहीं कर सकता।

78 वर्षीय देउबा और 72 वर्षीय ओली ने दोनों पार्टियों के बीच संभावित नए राजनीतिक गठबंधन के लिए जमीन तैयार करने के लिए शनिवार को मुलाकात की, जिसके बाद ओली की सीपीएन-यूएमएल ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देने के बमुश्किल चार महीने बाद उसके साथ अपना संबंध समाप्त कर लिया। दोनों नेता नई सरकार बनाने, संविधान में संशोधन करने और सत्ता-साझाकरण फॉर्मूला तैयार करने पर सहमत हुए। इसके अतिरिक्त, नेपाल सरकार में सीपीएन-यूएमएल के आठ मंत्री सत्तारूढ़ गठबंधन में आधी रात के बदलाव के बाद अपने पदों से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। सीपीएन-यूएमएल के मुख्य सचेतक महेश बारटौला ने बताया।

हमारे मंत्री आज ही प्रधानमंत्री को अपना इस्तीफा सौंप देंगे। स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री भी जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। शाम तक नई सरकार बनने की उम्मीद है। राजनीतिक रूप से नाजुक हिमालयी राष्ट्र में एक नई 'राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार' बनाने के लिए आधी रात को हुए समझौते का उद्देश्य प्रचंड को सत्ता से बाहर करना था। समझौते के तहत ओली डेढ़ साल के लिए नई 'राष्ट्रीय सर्वसम्मति सरकार' का नेतृत्व करेंगे। समाचार एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट में नेपाली कांग्रेस के एक नेता के हवाले से कहा गया है कि देउबा शेष कार्यकाल के लिए प्रधान मंत्री होंगे।

अमरीका में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ने जा रहें डॉ. प्रशांत रेड्डी

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल के डॉ. प्रशांत रेड्डी अमरीका में होने वाले चुनाव में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए लड़ने जा रहें है। अमेरिकी इतिहास में प्रतिनिधि सभा के लिए चुनाव लड़ने हेतु रिपब्लिकन पार्टी द्वारा नामित होने वाले बॉबी जिंदल के बाद वे दूसरे इकलौते भारतीय है। यदि वे चुनाव जीत जाते है, तब रेड्डी अमेरिका के इतिहास में कांग्रेस प्रतिनिधि सभा के लिए चुने जाने वाले दूसरे भारतीय अमेरिकी रिपब्लिकन कांग्रेसमैन बन जाएंगे तथा अमेरिकन सत्ता के निकट रहने वाले ताकतवर नेता के रुप में उभर सकते है। अमरीकी सेना और चिकित्सा के क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएँ देने वाले डॉ. प्रशांत रेड्डी का जन्म दक्षिण भारत के चेन्नई शहर में हुआ। वे पाँच वर्ष की उम्र में अपने परिवार के साथ मैनहट्टन, कैनसस में जाकर बस गए थे।

डॉ. रेड्डी आंतरिक चिकित्सा, चिकित्सा ऑन्कोलॉजी और हेमाटोलॉजी में ट्रिपल-बोर्ड प्रमाणित चिकित्सक हैं। उन्होंने कैंसर की दवा पर भी काम किया। जब अमरीका में 9/11 का अकल्पनीय हादसा हुआ था, तब डॉ. रेड्डी ने अपने देश की सेवा करने का अहम फैसला किया और एक सैन्य चिकित्सक के रूप में यूनाइटेड स्टेट्स एयर फ़ोर्स रिज़र्व में शामिल हो गए। लगभग 20 वर्षों की सैन्य सेवा के बाद, उन्होंने लेफ्टिनेंट कर्नल का पद अर्जित किया और चिकित्सा सेवा करना जारी रखा।

छात्र जीवन से ही प्रतिभाशाली प्रशांत को हाई स्कूल के वरिष्ठ छात्र के रूप में, बर्कले, सीए में लॉरेंस लिवरमोर नेशनल लेबोरेटरी में जैविक विज्ञान के क्षेत्र में कैनसस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ क्लिनिकल रिसर्च करिकुलम अवार्ड प्रोग्राम के माध्यम से कैनसस विश्वविद्यालय से एम.पी.एच. प्राप्त किया। दिसंबर 2016 से जुलाई 2019 तक, प्रशांत ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में लीडरशिप डेवलपमेंट का कार्यक्रम भी पूरा किया, जिससे उन्हें हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में पूर्व छात्र का दर्जा भी प्राप्त हुआ। अपने पूरे वयस्क जीवन के दौरान, प्रशांत रेड्डी चिकित्सा और सैन्य सेवा के माध्यम से अपने समुदाय और देश को सेवाएँ दे रहे हैं। अब उन्हें एक बार फिर से कैनसस जिले में अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में आगे आने और सेवा करने के लिए कहा गया है।

भारत के साथ अपने संबंधों को और गहरा कर रहा अमेरिका, विदेश विभाग के उप प्रवक्ता ने किया दावा

अमेरिकी विदेश विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका कई क्षेत्रों में भारत के साथ अपने संबंधों को गहरा कर रहा है । उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में आर्थिक और सुरक्षा सहयोग शामिल है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वाशिंगटन इस रिश्ते को विकसित करना जारी रखेगा । पटेल की प्रतिक्रिया अमेरिका-भारत संबंधों और इटली में जी7 शिखर सम्मेलन के इतर राष्ट्रपति जो बिडेन और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हालिया बातचीत के बारे में एक सवाल के जवाब में आई । पटेल ने संवाददाताओं से कहा कि भारत एक ऐसा देश है जिसमें हम कई प्रमुख क्षेत्रों में अपने संबंधों को गहरा कर रहे हैं, खासकर जब यह हमारे आर्थिक संबंधों को गहरा करने, हमारे सुरक्षा सहयोग को गहरा करने से संबंधित है । उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रपति बिडेन को कुछ हफ्ते पहले जी7 के हाशिये पर प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी को संक्षेप में देखने का अवसर मिला था । उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम इस रिश्ते को विकसित करना जारी रखेंगे । यह देखते हुए कि अमेरिका ने पिछले साल राजकीय यात्रा के लिए प्रधान मंत्री मोदी की मेजबानी की थी, उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कई अतिरिक्त क्षेत्र होंगे जहां हम सहयोग को गहरा करना जारी रखेंगे । विदेश विभाग के उप प्रवक्ता ने भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों के बारे में भी बात की और कहा कि अमेरिका उम्मीद करेगा कि दुनिया का कोई भी देश कहीं भी आतंकवाद की निंदा करेगा ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप को राहत, मुकदमा नहीं चलेगा

- कैपिटल हिल दंगे में सुप्रीम कोर्ट ने लिया बड़ा फैसला, एक जज ने लिखा-अब तो राष्ट्रपति राजा हो गए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ी राहत मिली है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए कहा कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए लिए गए कई फैसलों पर कानूनी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। कैपिटल हिल दंगा मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को कुछ हद तक छूट होने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने 6-3 से यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया। ट्रंप पर आरोप था कि उन्होंने अमेरिका का राष्ट्रपति रहते हुए नवंबर 2020 के चुनाव में नतीजों को पलटने की साजिश रची थी। उनके कहने पर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद पर चढ़ाई कर दी थी। इसे लेकर मुकदमा दाखिल किया गया और केस चलाया गया लेकिन ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राष्ट्रपति होने के नाते उन्हें कई तरह की छूट हासिल थी। इसलिए उन पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। अब अमेरिकी कोर्ट ने भी उनकी दलील को सही ठहराया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ट्रंप को उनके आधिकारिक कृत्यों के लिए अभियोजन से छूट प्राप्त है और उनके अनाधिकारिक कामों के लिए कोई भी छूट नहीं है। आधिकारिक काम क्या है और अनाधिकारिक काम क्या है, इसे तय करने के लिए मामले को निचली अदालत में भेज दिया गया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि ट्रंप के निजी दस्तावेजों को सबूत के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। फैसले से असहमति रखने वाले एक जज ने जजमेंट में लिखा, इस फैसले से तो राष्ट्रपति कानून से ऊपर राजा हो गए हैं।

संकट में सुनीता विलियम्स की वापसी...?

-नासा के स्टारलाइनर' स्पेसक्राफ्ट में आग की संभावना

प्योंगयांग (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स 5 जून को 'स्टारलाइनर' स्पेसक्राफ्ट के द्वारा स्पेस मिशन के लिए रवाना हुई थीं। उनके साथ एक और अंतरिक्ष यात्री बुश विलमोर भी थे, जो मिशन कमांडर हैं। दोनों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईसीसी) पर करीब 8 दिन का वक्त बिताकर वापस लौटना था लेकिन दुखद यह है कि अब तक दोनों की वापसी नहीं हो सकी है। इसका एक मात्र कारण हैं बोइंग स्पेसक्राफ्ट का धोखा देना है। इस कारण सुनीता की सुरक्षित वापसी को लेकर दुआएं मांगी जा रही हैं। सुनीता जिस स्पेसक्राफ्ट के द्वारा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) तक पहुंचीं, उस अमेरिकी एयरक्राफ्ट कंपनी बोइंग ने डेवलप किया है।

कंपनी इस स्पेस कैप्सूल' भी कहती है। बोइंग ने अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा (नासा) के कॉमर्शियल स्पेस प्रोग्राम के लिए स्पेसक्राफ्ट को डेवलप किया। हालांकि जब स्टारलाइनर को लांच किया जा रहा था, तभी इसमें से हिलियम गैस लीक हो रही थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बोइंग के इंजीनियर्स को लॉन्चिंग के दौरान गैस लीक के बारे में पता था, पर तब उन्हें नहीं लगा कि यह कोई बड़ी समस्या है पर यात्रा के दौरान स्पेसक्राफ्ट में 4 और जगह से हिलियम गैस का रिसाव होने लगा।

वहीं नासा के मुताबिक ऐसा बिलकुल नहीं है कि 'स्टारलाइनर' का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। इमरजेंसी में विलियम्स और उनके साथी एस्ट्रोनॉट स्पेसक्राफ्ट से धरती तक लौट सकते हैं। पर फिलहाल एजेंसी पूरी समस्या की तह तक पता लगा रही है कि आखिर इन फ्लाइट में गैस क्यों और कैसे लीक हुई और थ्रस्टर क्यों फेल हुए। इसकारण एस्ट्रोनॉट्स की वापसी टाल दी गई है।

हालांकि जानकारों की राय नासा के बिल्कुल विपरीत है। उनके मुताबिक स्टारलाइनर में हिलियम गैस का रिसाव गंभीर समस्या की तरफ इशारा करता है। अगर गैस रिसाव का पता नहीं लगाया गया और इस ठीक नहीं किया गया तब रिटर्न फ्लाइट में आग लगने की संभावना है। इस केस में सुनीता विलियम्स और विल्मोर की जान भी जा सकती है।

इमरान को रिहा करो, जबरन जेल में कर रखा कैद: यूएन

- पाकिस्तान ने इंटरनेशनल कानून का उल्लंघन किया है

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पिछले एक साल से जेल में बंद हैं। इमरान खान को पाकिस्तानी हुकूमत ने जबरन और मनमाने ढंग से जेल में कैद कर रखा है। यूनाइटेड नेशन ह्यूमन राइट वर्किंग ग्रुप ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। यूनाइटेड नेशन ह्यूमन राइट्स वर्किंग ग्रुप ने कहा कि इमरान खान को मनमाने ढंग से पाकिस्तान में हिरासत में रखा गया है। पाकिस्तान का यह कदम इंटरनेशनल कानून का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र की इस बॉडी ने इमरान खान की तुरंत रिहाई की वकालत की है। जेनेवा स्थित यूनाइटेड नेशन वर्किंग ग्रुप ने कहा कि उचित तो यह होगा कि इमरान खान को तुरंत रिहा किया जाए। उन्हें अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार मुआवजा दिया जाए और उन्हें अन्य क्षतिपूर्ति को लागू करने योग्य अधिकार दिया जाए। संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह ने अपनी राय में ये बातें कही हैं। उसने कहा कि वर्किंग ग्रुप इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि उनकी हिरासत का कोई कानूनी आधार नहीं था। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें राजनीतिक पद के लिए अयोग्य घोषित करने का इरादा था। इस प्रकार शुरू से ही अभियोजन पक्ष कानून पर आधारित नहीं था और कथित तौर पर एक राजनीतिक उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया गया था। दरअसल, यूनाइटेड नेशन वर्किंग ग्रुप की यह राय 25 मार्च को लिखी गई थी मगर यह हाल ही में सार्वजनिक की गई। इस ग्रुप में पांच एक्सपर्ट हैं। इनकी राय भले ही बाध्यकारी नहीं है, मगर प्रतिष्ठा के लिहाज से काफी अहम है। पांच सदस्यों वाली इस टीम ने कहा कि इमरान खान की कानूनी परेशानियां उनके और उनकी पाकिस्तान तहरी-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के खिलाफ दमन के बहुत बड़े अभियान का हिस्सा थीं। यूनाइटेड नेशन ह्यूमन राइट वर्किंग ग्रुप ने कहा कि 2024 के आम चुनावों से पहले इमरान खान की पार्टी के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें प्रताड़ित किया गया और उनकी रैलियों को बाधित किया गया। संयुक्त राष्ट्र के इस समूह ने पाकिस्तान के आम चुनाव वाले दिन व्यापक तौर पर धोखाधड़ी और दर्जनों संसदीय सीटों पर धांधली का भी आरोप लगाया। हालांकि, पाकिस्तानी सरकार ने अभी तक इस राय पर कोई टिप्पणी नहीं की है मगर पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने फरवरी के आम चुनावों में धांधली से इनकार किया है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। पाकिस्तान की एक अदालत ने उन्हें सरकारी उपहार बेचने के बाद संपत्ति छिपाने का दोषी पाते हुए तीन साल की जेल की सज़ा सुनाई थी। इसकी वजह से इमरान खान के चुनाव लड़ने पर बैन लगा दिया गया था।

शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम जिम्बाब्वे रवाना

-पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी, लक्ष्मण रहेंगे मुख्य कोच

मुंबई (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे दौरे पर रवाना हो गयी है। भारतीय टीम इस दौरे में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी वीवीएस लक्ष्मण संभालेंगे। पांच मैचों की सीरीज का पहला मैच 6 जुलाई को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा। आखिरी टी20 मैच 14 जुलाई को इसी मैदान पर होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दौरे के लिए रवाना हुए खिलाड़ियों की तस्वीरें सोशल मीडिया में भी साझा की हैं। इसमें अभिषेक शर्मा, मुकेश कुमार, रुतुराज गायकवाड़, आवेश खान, रियान पराग आदि शामिल हैं। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, जेट सेट जिम्बाब्वे, जिम्बाब्वे बनाम भारत।

इस टीम में टी20 विश्व कप की मुख्य टीम के सिर्फ दो खिलाड़ी यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन को ही शामिल किया गया है। बाकि अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। रिंकू सिंह, आवेश खान और खलील अहमद जैसे खिलाड़ी जो टी20 विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल थे। उन्हें भी टीम में शामिल किया गया है।

वहीं जिम्बाब्वे क्रिकेट ने भी इस सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी है।

जिम्बाब्वे की कप्तानी सिकंदर रजा करेंगे।

भारतीय टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, संजू सैमसन (विकेट कीपर), ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), नितीश रेड्डी, रियान पराग, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार और तुषार देशपांडे।

जिम्बाब्वे की टीम = सिकंदर रजा (कप्तान), अकरम फराज, बेनेट ब्रायन, कैंपबेल जॉनथन, चतारा तेंदई, जोंगवे ल्यूक, कैया इनोसेंट, मदंडे क्लाइव, मधेवेरे वेस्ली, मारुमनी तडिवानाशे, मसाकाद्जा वेलिंगटन,

मावुता ब्रैंडन, मुजरबानी ब्लेसिंग, मायर्स डायन, नकवी अंतुम, नगारवा रिचर्ड, शुम्बा मिल्टन।

सुमित नागल विंबलडन के पहले दौर से बाहर

लंदन (एजेंसी)। भारत के शीर्ष एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने 44 सहज गलतियां की और विंबलडन के पहले दौर में सर्बिया के मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ चार सेट में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में पहली बार हिस्सा ले रहे नागल को दो घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले में सोमवार रात 2-6, 6-3, 3-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया के 53वें नंबर के खिलाड़ी केकमानोविच के खिलाफ नागल ने एक सेट जीता।

भारत के 72वीं रैंकिंग वाले 26 वर्षीय खिलाड़ी ने 47 विनर भी लगाए लेकिन कुल मिलाकर उन्हें घास के कोर्ट पर संघर्ष करना पड़ा। अंत में नागल केकमानोविच के 122 अंक के मुकाबले केवल 104 अंक ही जुटा पाए। सर्बियाई खिलाड़ी ने छह ऐस लगाए और केवल दो डबल फॉल्ट किए। यह केकमानोविच की नागल के खिलाफ दो मैच में दूसरी जीत है। उन्होंने चार साल पहले जर्मनी के कोलोन में एटीपी 250 प्रतियोगिता में भी नागल को हराया था।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके नागल पांच साल में विंबलडन पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ का मैच खेलने वाले पहले भारतीय हैं। प्रजनेश गुणेश्वरन 2019 में पहले दौर से बाहर हो गए थे। नागल का मौजूदा सत्र शानदार रहा है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालीफाई किया था। उन्होंने शुरुआती दौर में कजाखस्तान के 31वें वरीय एलेक्जेंडर बुब्लिक को हराया था और 35 साल में किसी ग्रैंडस्लैम में वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले पहले भारतीय पुरुष टेनिस खिलाड़ी बने थे।

नागल ने एटीपी 1000 प्रतियोगिता इंडियन वेल्स मास्टर्स और मोंटे कार्लो मास्टर्स के मुख्य ड्रॉ के लिए भी क्वालीफाई किया था। इस भारतीय ने इस सत्र में दो चैलेंजर प्रतियोगिताएं हीलब्रॉन चैलेंजर और चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर जीते हैं। उन्होंने फेंच ओपन में भी हिस्सा लिया था लेकिन शुरुआती दौर में हार गए थे।

सूर्यकुमार के कैच को लेकर आये एक वीडियो से उठ रहे सवाल

बारबाडोस (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम की टी20 विश्वकप जीत में सूर्यकुमार यादव के बाउंड्री लाइन पर लिए कैच की अहम भूमिका रही है। इस कैच के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी डेविड मिलर पेवेलियन लौट गये और भारतीय टीम की जीत तय हो गयी। इस कैच को इसी कारण टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ कैच भी करार दिया गया और इसके लिए सूर्या को पुरस्कार भी मिला पर अब इसी कैच को लेकर एक दक्षिण अफ्रीकी प्रशंसक ने सवाल भी उठाये हैं। इस प्रशंसक के एक वीडियो से ये पूरा मामला बढ़ा है। इस प्रशंसक के ताजा वीडियो ने इस बात पर बहस छेड़ दी कि क्या थर्ड अंपायर ने मिलर को आउट दिये जाने का गलत फैसला दिया था और सूर्यकुमार का पांव बाउंड्री लाइन पर लगा था। हार्दिक पांड्या की इस गेंद पर मिलर ने हवा में शॉट खेला और ऐसा लग रहा था कि गेंद बाउंड्री के ऊपर से निकल जाएगी पर सूर्यकुमार ने बीच में ही उससे लपक लिया। सूर्या ने गेंद को हवा में पकड़ा और गेंद को मैदान में हवा की और फेंकते हुए बाउंड्री लाइन पार कर वापस मैदान में आकर कैच पकड़ लिया।

थर्ड अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने इसे जल्दी से देखा और इसे सही कैच माना। इस कैच की तुलना जल्द ही कपिल देव के 1983 के यादगार पल से की जाने लगी हालांकि सोशल मीडिया पर बहुत कम लोगों ने माना कि सूर्यकुमार ने लॉन्ग-ऑफ पर कैच पकड़ने से पहले गेंद को हवा में उछालने से पहले बाउंड्री को छुआ था। एक दक्षिण अफ्रीकी प्रशंसक ने लिखा, यह निश्चित रूप से एक से अधिक बार देखने लायक है, बस इतना ही कह रहा हूं। बाउंड्री रोप ऐसा लग रहा है जैसे यह स्पष्ट रूप से हिल रही है। वहीं एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कहा गया कि कैच से ठीक पहले बाउंड्री रोप की कुशनिंग को पीछे धकेल दिया गया था। आईसीसी की खेल स्थितियों के अनुसार यह कुशन है न कि सफेद रेखा, जैसा कि ट्वीट में देखा गया है, जो बाउंड्री है। हालांकि धारा 19.3 में कहा गया है, यदि किसी कारण से सीमा को चिह्नित करने के लिए इस्तेमाल की गई कोई ठोस वस्तु हिलती है, तो सीमा को उसकी मूल स्थिति में माना जाएगा।

टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप की तैयारी के लिए अगले माह अगस्त में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ ही तीन एकदिवसीय के अलावा एक चार दिवसीय मैच भी खेलना है। इससे बांग्लादेश में साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके अलावा उसे अपनी कमियों का भी पता चलेगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इसमें ताहलिया मैकग्रा ऑस्ट्रेलियाई 20 और 50 ओवरों की टीम की कप्तानी करेंगी। वहीं चार्ली नॉट को चार दिवसीय मैच के लिए कप्तान बनाया गया है। इस दौर में सभी तीन टी20 मैच ब्रिसबेन में जबकि

एकदिवसीय मैच मैके में खेले जाएंगे। एकमात्र चार दिवसीय मैच गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा। पहला टी20 मैच 07 अगस्त, दूसरा टी20 09 अगस्त जबकि तीसरा तीसरा टी20 11 अगस्त को खेला जाएगा।

वहीं पहला एकदिवसीय 14 अगस्त, दूसरा 16 अगस्त को व तीसरा एकदिवसीय 18 अगस्त को खेला जाएगा। एकमात्र चार दिवसीय मैच 22 से 25 अगस्त तक होगा।

टी20 टीम = ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मैडी डार्के, सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

एकदिवसीय टीम = ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के ,सोफी डे, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, किम गार्थ, चार्ली नॉट, कैटी मैक, ग्रेस पार्सोंस, मेगान शट, कर्टनी सिप्पेल, टायला वी, ताहलिया विल्सन।

चार दिवसीय टीम = चार्ली नॉट (कप्तान), मेटलान ब्राउन, मैडी डार्के, सोफी डे, एम्मा डे ब्रूग, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटॉफ, कैटी मैक, लिली मिल्स, ग्रेस पार्सोंस, केट पीटरसन, कर्टनी सिप्पेल, जॉर्जिया वोल।

भारतीय क्रिकेट टीम के बुधवार शाम तक स्वदेश पहुंचने की संभावना

मुम्बई। खराब मौसम और तूफान के कारण बारबाडोस में फंसी भारतीय क्रिकेट टीम के बुधवार तक भारत पहुंचने की उम्मीदें हैं। शनिवार को हुए टी20 विश्वकप फाइनल में जीत के बाद सभी प्रशंसक भारतीय टीम का इंतजार कर रहे थे पर खराब मौसम और उड़ाने बंद होने से टीम अब तक वहीं हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच शनिवार को फाइनल खेला गया था जिसमें भारतीय टीम ने 7 रनों से जीत दर्ज कर एक दशक के बाद आईसीसी ट्रॉफी जीती थी। अब बारबाडोस में हालात सुधर रहे हैं जिससे उड़ाने शुरु होने की संभावना है। ऐसे में भारतीय टीम के बुधवार शाम तक नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीदें हैं। रविवार शाम से ही बारबाडोस पूरी तरह से बंद है। मौसम की खराबी की वजह से मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अगली सूचना तक बंद कर दिया गया था। बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली ने बताया था कि एयरपोर्ट को अगले 12 घंटे में खोल जाने के प्रयास जारी हैं। पिछले तीन दिन में चक्रवात तूफान की वजह से पूरे शहर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया था। वहीं भारतीय टीम के सदस्य भी होटल में ही रह रहे थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों के लिए चार्टर्ड प्लेन का इंतजाम किया जिससे खिलाड़ी वापसी करेंगे।

डिविलियर्स ने कहा दक्षिण अफ्रीकी टीम अपना हौंसला बनाये रखे

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने आईसीसी टी20 विश्व कप में हार से निराश हुई अपनी टीम का हौंसला बढ़ाया है। डिविलियर्स ने सोशल मीडिया पर कहा कि टीम ने खिताबी मुकाबले में अपनी ओर से अंत तक संघर्ष किया था। उसलिए उसे हताश होने की जरुरत नहीं है। टीम को अपना सिर ऊंचा करने रहना चाहिये क्योंकि वह इससे पहले की सभी दक्षिण अफ्रीकी टीमों से आगे निकल गयी है। साथ ही कहा कि आप सभी हीरो हैं और आपको आने वाले समय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना शेष है। टी20 विश्वकप में दक्षिण अफ्रीकी टीम को केवल सात रनों से हार मिली थी। टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत के भरपूर प्रयास किये थे और एक समय ऐसा थी थी जब टीम जीत की ओर बढ़ रही थी। हेनरिक क्लासेन ने इस मैच में अपनी टीम को जीत दिलाने के पूरे प्रयास किये थे पर अंतिम ओवरों में लगातार विकेट खोने से उसके हाथ से खिताब निकल गया था। अफ्रीकी टीम इस पूरे टूर्नामेंट में सभी मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी जहां उसके बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों ने भी जबरदस्त प्रदर्शन किया था।

एकदिवसीय विश्वकप में हार के बाद पद छोड़ना चाहते थे द्रविड़

-रोहित ने फोन कर कोच बने रहने को कहा, द्रविड़ अब आभार जताया

ब्रिजटाउन। आईसीसी टी20 विश्व कप के साथ ही पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का मुख्य कोच के तौर पर कार्यकाल भी समाप्त हो गया। भारतीय टीम ने जिस प्रकार विश्वकप जीता है। उससे द्रविड़ को एक शानदार विदायी मिली है। जिससे वह बेहद उत्साहित हैं हालांकि गत वर्ष ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार के बाद वह पद छोड़ना चाहते थे पर कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें फोन कर कोच बने रहने का अनुरोध किया था जिसके लिए उन्होंने रोहित को धन्यवाद कहा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी एक वीडियो में द्रविड़ ने कहा कि उनके पास शब्द नहीं हैं और उन्होंने टीम के सभी सदस्यों को उनके समय के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं हैं, लेकिन मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मुझे इस अविश्वसनीय याद का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मुझे लगता है कि आप सभी को ये पल याद होंगे। उन्होंने कहा, मुझे आप लोगों पर इससे ज्यादा गर्व नहीं हो सकता। जिस तरह से आपने वापसी की, जिस तरह से आपने संघर्ष किया, जिस तरह से हमने एक टीम के रूप में काम किया, जिस तरह से आपने दृढ़ता दिखाई। पिछले कुछ सालों में कुछ निराशाएं हुई हैं जहां हम करीब पहुंच गए हैं, हम कभी भी लक्ष्य को पार नहीं कर पाए हैं। लेकिन इन लड़कों ने जो किया है, आप सभी ने जो किया है, सपोर्ट स्टाफ में सभी ने जो किया है, हमने जो कड़ी मेहनत की है, हमने जो बलिदान दिए हैं। आप जानते हैं, मुझे लगता है... पूरे देश को आप सभी पर और आपने जो हासिल किया है, उस पर गर्व है।

उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने उन्हें 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद भी उन्हें कोच के पद पर बने रहने को कहा। उन्होंने कहा, मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि रोहित ने जो किया उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं। मुझे लगता है कि आप सभी के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य और खुशी की बात रही है। द्रविड़ ने अपने कार्यकाल को ठीक पूरा करने के लिए बीसीसीआई से मिले सहयोग के लिए उसे भी धन्यवाद कहा।

यूरो 2024 : स्लोवेनिया पर रोमांचक जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचा पुर्तगाल

फ्रैंकफर्ट (जर्मनी) (एजेंसी)। विश्व रैंकिंग में 57वें स्थान पर काबिज स्लोवेनिया ने यूरो 2024 फुटबॉल के प्री-क्वार्टर फाइनल में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और कई दिग्गज खिलाड़ियों से सजी पुर्तगाल की टीम को 120 मिनट तक गोल करने से रोके रखा लेकिन टीम पेनल्टी शूटआउट में 0-3 से हार गई। अंतिम आठ में पुर्तगाल के सामने अब फ्रांस की चुनौती होगी।

यह मुकाबला कप्तान रोनाल्डो के लिए काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा जिसमें वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके। यूरो 2024 में अपने पहले गोल की तलाश कर रहे रोनाल्डो मैच में पांच-छह ऐसे मौकों पर चूक गए जिसे वह पिछले 20 साल के अपने करियर में गोल में बदलते रहे हैं। नियमित समय में मैच गोल रहित रहने के बाद आधे घंटे के अतिरिक्त समय में भी यह मुकाबला गोल रहित रहा। रोनाल्डो के पास हालांकि मैच के 105 वें मिनट टीम को बढ़त दिलाने का आसान मौका था लेकिन 39 साल का यह खिलाड़ी पेनल्टी किक पर गोल करने

से चूक गया। स्लोवेनिया के गोलकीपर जान ओब्लाक ने बाईं ओर डाइव लगाकर शानदार बचाव कर पुर्तगाल को बढ़त लेने से रोक दिया। इस प्रयास के विफल होने के बाद रोनाल्डो की आंखों में आंसू आ गए। टीम के साथियों ने हालांकि उनका हौसला बढ़ाया, उनका माथा चूमा उन्हें मैच पर ध्यान बनाये रखने को कहा। इस मौके पर स्टेडियम में मौजूद रोनाल्डो की मां की आंखें भी नम हो गई।

अतिरिक्त समय के बाद भी मैच गोलरहित बराबरी पर छूटा। पुर्तगाल के गोलकीपर डिओगो कोस्टा ने इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में स्लोवेनिया के जोसिप इलिकिक के पहले प्रयास को विफल कर दिया। इसके बाद रोनाल्डो ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई और अपनी निराशा को पीछे छोड़ा। कोस्टा ने ज्यूर बाल्कोवेक और बेंजामिन वर्बिक की पेनल्टी किक को रोका जबकि ब्रूनो फर्नांडीस और बर्नार्डो सिल्वा ने अपने प्रयास पर गोल कर पुर्तगाल को 3-0 से जीत दिला दी।

रोनाल्डो ने मैच के बाद कहा, 'कभी-कभी पेनल्टी पर गोल करना कठिन होता है। मैंने अपने करियर में 200 से अधिक पेनल्टी पर गोल किए हैं। कभी-कभी यह गड़बड़ हो जाता है।' उन्होंने कहा, 'हमने उत्साह दिखाया कि हमें अभी भी खेलना है, प्रशंसकों को खुशी देनी है और बस, यही हमारी जिंदगी है।'

बैडमिंटन खेलते समय हार्ट अटैक से 17 साल के चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में हो रहे एक टूर्नामेंट में 17 साल के एक चीनी बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी की मौत से सभी हैरान हैं। झांग झिजी की बैडमिंटन कोर्ट में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इस घटना पर भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु भी स्तब्ध हैं। यह घटना रविवार देर रात की है। झांग को यहां एक टूर्नामेंट के दौरान कोर्ट पर ही दिल का दौरा पड़ गया जिससे वह बेहोश होकर गिर गया। इस युवा खिलाड़ी को मैच स्थल पर ही इलाज दिया गया पर कोई हलचल न होने पर उसे एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया पर लेकिन रात में उनकी मौत हो गई। इस खिलाड़ी की मौत पर सिंधु ने एक पोस्ट लिखकर दुख जताया है। सिंधु ने लिखा, जूनियर एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप से युवा बैडमिंटन खिलाड़ी झांग झिजी के निधन की खबर बेहद दुखद है, मैं इस कठिन समय में झांग के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।

विश्वकप में जब भी जरुरत पड़ी इस खिलाड़ी ने निभाई अहम भूमिका

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप में इस बार भारतीय टीम की जीत में कई खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही है। इसमें रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे बड़े खिलाड़ी शामिल है। वहीं एक खिलाड़ी ऐसा भी रहा जो अहम अवसरों पर अपनी भूमिका निभाता रहा। इस खिलाड़ी का नाम है अक्षर पटेल। अक्षर को हालांकि अधिक श्रेय नहीं मिल पाया पर उसने अधिकतर मैच में भारतीय टीम की ओर से अंतर पैदा किया।

टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में भी अक्षर ने दबाव के हालातों में अच्छी पारी खेली। जब वह बल्लेबाजी के लिए आये थे तब भारतीय टीम ने 34 रन पर ही 3 विकेट खो दिये थे। ऐसे में अक्षर न आक्रामक बल्लेबाजी कर विराट कोहली पर से दबाव हट दिया। अक्षर ने 47 रन बनाने के साथ ही मैच में एक विकेट भी लिया।

ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने तकरीबन हर मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 23 रन देकर 3 विकेट लेने के अलावा 10 रन भी बनाए थे। इसी तरह जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जल्दी-जल्दी विकेट खोये तो अक्षर ने तेजी से 20 रन बनाये। अक्षर ने जरूरत के अनुसार चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के अलावा पावरप्ले में भी गेंदबाजी की। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 9 विकेट लेने के साथ ही 92 रन भी बनाए।

अब एक सितंबर से शुरु होगी राफ्टिंग

ऋषिकेश। अब अगले दो माह तक ऋषिकेश में साहसिक खेल राफ्टिंग का आनंद नहीं लिया जा सकेगा। हर साल की तरह ही बारिश का मौसम शुरु होने के कारण सुरक्षा कारणों से राफ्टिंग को 31 अगस्त तक के लिए बंद कर दिया गया है। अब 1 सितंबर से गंगा में फिर राफ्टिंग शुरू होगी। आमतौर पर गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए 30 जून के बाद ही नदी में राफ्टिंग का संचालन बंद कर दिया जाता है। गंगा नदी रिवर रॉफ्टिंग समिति के साहसिक खेल अधिकारी खुशाल सिंह ने कहा कि एक जुलाई से गंगा में राफ्टिंग का संचालन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। जुलाई और अगस?त में इसका संचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं। वहीं इस नियम का उल?लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। राफ्टिंग का नया सत्र हर साल एक सितंबर को शुरू होता है और ये जून तक चलता है। राफ्टिंग के लिए भारी तादाद में लोग यहां पहुंचते हैं। इस सत्र में ही करीब सवा चार लाख पर्यटकों ने राफ्टिंग का आनंद उठाया है। यहां ढाई सौ से ज?यादा कंपनियों की साढ़े छह सौ राफ्ट गंगा में संचालित होती हैं।

काऊंटी चैम्पियनशिप : जेम्स एंडरसन की गेंदों ने उगली आग, पहले स्पैल में ही चटकाए 6 विकेट

खेल डैस्क। इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन ने भारत के खिलाफ बीती मार्च में अपना आखिरी टेस्ट खेला था। चार महीने बाद क्रिकेट मैदान पर लौटे एंडरसन ने एक बार फिर से धमाल मचा दिया है। काऊंटी चैम्पियनशिप में उतरे एंडरसन ने मंगलवार को साउथपोर्ट में नॉटिंघमशायर के खिलाफ में लंकाशायर के लिए खेलते हुए महज 10 ओवर में ही 6 विकेट चटका लिए। इससे पहले लंकाशायर की टीम ने कीटर जीनिंग के 260 गेंदों पर 183 रनों की बदौलत पहली पारी में 353 रन बनाए थे।

नॉटिंघमशायर की शुरूआत खराब रही। अपना तीसरे ही ओवर में जिम्मी एंडरसन ने कप्तान हसीब हम्मीद को महज 6 रन पर बोल्ड कर दिया। इसके बाद अगली 4 ओवरों में उन्होंने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज विल यंग, विकेटकीपर जो क्लार्क, जैक हेन्स और लिंडन जेम्स को आउट किया। उन्होंने इसी दौरान लियाम पैटरसन-व्हाइट को 4 रन पर आउट कर अपना छठा विकेट लिया। इससे नॉटिंघम का स्कोर 17 ओवर में 6 विकेट पर 40 रन हो गया। एंडरसन का शुरुआती स्पेल (10-2-19-6) सबसे अच्छा रहा।

अनुभवी तेज गेंदबाज ने अपने 55वें पांच विकेट के साथ अपने प्रथम श्रेणी विकेटों की संख्या 1120 तक पहुंचा दी है। वह अब 10 जुलाई को लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना विदाई टेस्ट खेलेंगे। बता दें कि टीम इंडिया के खिलाफ धर्मशाला टेस्ट में एंडरसन ने अपने 700 टेस्ट विकेट पूरे किए थे। वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले तेज गेंदबाज है। स्पिनर शेन वार्न (708) और मुथैया मुरलीधरन (800) सबसे ज्यादा विकेट लेने गेंदबाज हैं।

कनाडाई लीग में वैंकूवर नाइट्स की कप्तानी करेंगे रिजवान

वैंकूवर। पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद रिजवान अब जीटी20 कनाडाई लीग में वैंकूवर नाइट्स की कप्तानी करेंगे। रिजवान को बाबर आजम की जगह इस लीग का कप्तान बनाया गया है। कनाडाई लीग का चौथा सत्र 25 जुलाई से 11 अगस्त तक ब्रैम्पटन शहर में होगा। जीटी20 कनाडा फ्रेंचाइजी ने कहा, वैंकूवर नाइट्स ने जीटी20 सत्र 4 के लिए रिजवान को अपना कप्तान बनाया है। वह अपने बेहतरीन बल्लेबाजी कौशल और विकेटकीपिंग के साथ हमें जीत दिलाने में सफल होंगे, ऐसी हम उम्मीद करते हैं। गौरतलब है कि रिजवान के पास पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में मुल्तान सुल्तान्स की कप्तानी का अनुभव है। वहीं दूसरी ओर बाबर अभी पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम और पीएसएल में पेशावर जाल्मी की कप्तानी कर रहे हैं। नाइट्स की टीम में रिजवान सहित बाबर आजम, अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर और मध्यक्रम के बल्लेबाज आसिफ अली भी शामिल हैं।

हिंडनबर्ग को अडाणी ग्रुप पर लगाए गए आरोपों को लेकर नोटिस मिला

- शेयर बाजार नियामक सेबी ने मांगा जवाब

नई दिल्ली ।

अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च को अडाणी ग्रुप पर लगाए गए आरोपों को लेकर शेयर बाजार नियामक सेबी ने 46 पेज का कारण बताओ नोटिस थमाया है।

दरअसल जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर स्टॉक मैनिपुलेशन से लेकर मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोप लगाए थे। हिंडनबर्ग रिसर्च ने कहा कि उसे सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया से कारण बताओ नोटिस मिला है, जिसमें अडानी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर जवाब मांगा गया है। पिछले साल जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने एक रिपोर्ट पब्लिश की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि अडाणी समूह ने अपने शेयरों में हेरफेर और धोखाधड़ी की। इन आरोपों के बाद अडाणी ग्रुप के शेयरों में 150 बिलियन की गिरावट आई थी। बाजार नियामक सेबी से मिले कारण बताओ नोटिस को लेकर हिंडनबर्ग ने अपनी नाराजगी जाहिर की। अमेरिकी फर्म ने सेबी के इस नोटिस को डराने-धमकाने का प्रयास बताया। हिंडनबर्ग ने एक ब्लॉग पोस्ट में लिखा कि नियामक ने अस्पष्ट आरोप लगाया था कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में रीडर्स को गुमराह करने वाले गलत बयान शामिल थे।

हिंडनबर्ग ने कहा कि हमें लगता है कि सेबी ने अपनी जिम्मेदारी को नहीं निभाया है, ऐसा लग रहा है कि वह धोखाधड़ी करने वालो से निवेशकों की रक्षा करने के बजाय धोखाधड़ी करने वालों का बचाव करने की कोशिश कर रही है।

वहीं सेबी का कहना है कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट ने स्कैंडल जैसे आरोपों का उपयोग कर जानबूझकर कुछ तथ्यों को सनसनीखेज बनाया।

सेबी ने नोटिस में कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च ने बिना किसी साक्ष्य के अपनी रिपोर्ट में गलत बयानबाजी की।

सोना 71,700 और चांदी 87,850 रुपए

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को तेज रही। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,700 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 87,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 30 रुपये की तेजी के साथ 71,684 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 17 रुपये की तेजी के साथ 71,671 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 299 रुपये की तेजी के साथ 87,821 रुपये पर खुला। इस समय यह 327 रुपये की तेजी के साथ 87,849 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कॉमेक्स पर सोना 2,341.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,338.90 डॉलर प्रति औंस था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 2,337.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.76 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.61 डॉलर था।

खबर लिखे जाने के समय यह 0.04 डॉलर की तेजी के साथ 29.65 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जून में भारत का ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 1.74 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत का ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन जून में सालाना आधार पर 7.7 फीसदी बढ़कर 1.74 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। इससे चालू वित्त वर्ष में अब तक कुल जमा राशि 5.57 लाख करोड़ रुपये हो गई है। अप्रैल 2023 में जीएसटी कलेक्शन 1.87 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। नवीनतम डेटा भारत में जीएसटी की सातवीं वर्षगांठ के साथ मेल खाता है। जीएसटी में लगभग 17 स्थानीय कर एवं उपकर शामिल किए गए और इसे एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था। जीएसटी की लागू करना भारतीय कराधान इतिहास में एक प्रमुख मोड़ था। भारत जैसे विविधतापूर्ण और संघीय राष्ट्र में जहां कई कर कानूनों को एक प्रणाली में जोड़ दिया गया था, इस सर्व-समावेशी प्रणाली को अपनाना विशेष रूप से उल्लेखनीय था। सूत्र ने बताया कि जून में एकत्र कुल सकल जीएसटी राजस्व में से सीजीएसटी 39,586 करोड़ रुपये और एसजीएसटी 33,548 करोड़ रुपये है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि माल और सेवा कर आने से घरेलू उत्पादों और मोबाइल फोन के लिए कर की दरें कम हुई हैं और इससे हर घर को राहत मिली है। नई अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के तौर पर जीएसटी ने सोमवार को अपने सात साल पूरे किए हैं। सातवें

जीएसटी दिवस का विषय सशक्त व्यापार, समग्र विकास है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू सामानों पर कर की दरें कम होने से घरेलू उपकरणों और मोबाइल फोन पर कम जीएसटी के माध्यम से हर घर को खुशी और राहत मिली है।

अब 4 आसियान देशों के लोग भी कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट

नई दिल्ली ।

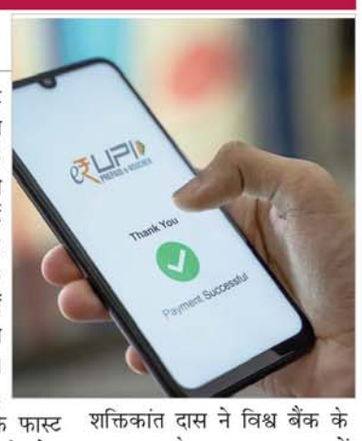

क्रॉस बॉर्डर रिटेल पेमेंट के समर्थन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) प्रोजेक्ट नेक्सस में शामिल हो गया है। यह यूपीआई जैसे डोमेस्टिक फास्ट पेमेंट सिस्टम (एफपीएस) को सरहद पार बैठे लोगों के बीच पैसों को भुगतान करने में सक्षम बनाएगा। अगले साल से फिलीपींस, मलेशिया और थाईलैंड के फास्ट पेमेंट सिस्टम को यूपीआई से जोड़ दिया जाएगा, जिससे इन देशों के नागरिक यूपीआई से पैसों का डिजिटल ट्रांजैक्शन करने में सक्षम होंगे। इंडोनेशिया भी भविष्य में यूपीआई पेमेंट सिस्टम से जुड़ सकता है।` पिछले` दिनों समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि मेरे विचार में प्रोजेक्ट नेक्सस का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि इससे सीमा-पार भुगतान बहुत तेज़ और कम खर्चीला हो जाएगा। यह कम लागत पर सीमा-पार डिजिटल ट्रांजैक्शन को तेज करने के लिए देशों के बीच अधिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ा देगा।

आरबीआई यूपीआई और कई देशों के एफपीएस के माध्यम से सीमा पार खुदरा भुगतान को सक्षम करने के लिए प्रोजेक्ट नेक्सस में शामिल हो गया है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने विश्व बैंक के आकलन के अनुरूप लागत में कमी की उम्मीद जताई है। इस पहल में बीआईएसआईएच शामिल है और इसका उद्देश्य भुगतान दक्षता और गति को बढ़ाने के लिए बहुपक्षीय सहयोग करना है, जिससे व्यक्ति-से-व्यक्ति और व्यक्ति-से-व्यापारी लेनदेन को लाभ होगा।

आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने प्रोजेक्ट नेक्सस के लाभों पर जोर दिया, जिसका उद्देश्य मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड जैसे देशों के फास्ट पेमेंट सिस्टम के साथ यूपीआई को जोड़ना है, जिसमें बाद में इंडोनेशिया भी शामिल होगा. इस पहल का उद्देश्य सीमा पार भुगतान दक्षता में सुधार करना है, जिससे तेज और अधिक लागत प्रभावी ट्रांजैक्शन के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक इंडियन मार्केट से हुई गायब

-अब नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को लाने की तैयारी

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में हुंडई ने अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी कोना इलेक्ट्रिक की बिक्री बंद कर दी है। भारत में हुंडई कोना कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक कार थी। इसकी जगह अपनी एक पॉपुलर एसयूवी का इलेक्ट्रिक वर्जन उतारने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि कंपनी इंडियन मार्केट में क्रेटा इलेक्ट्रिक को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन को कई बार टेस्टिंग करते देखा गया है। इससे उम्मीद है कि कंपनी इसे जल्द ही लॉन्च कर सकती है। क्रेटा ईवी का काफी लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। कंपनी की ये इलेक्ट्रिक कार मास मार्केट के लिए हिट साबित हो सकती है। इंडियन मार्केट में टाटा कर्व और मारुति की पहली इलेक्ट्रिक कार के आने की भी खबरें हैं। ऐसे में हुंडई को अपनी तैयारी मजबूत करनी होगी। मार्केट में लॉन्च होने के बाद क्रेटा ईवी की सबसे बड़ी चुनौती टाटा नेक्सान ईवी और महिंद्रा एक्सयूवी400 जैसी इलेक्ट्रिक कारें होंगी। इसका मुकाबला मारुति सुजुकी ईवीएक्स से भी हो सकता है।

अगले साल जनवरी में क्रेटा ईवी लॉन्च हो सकती है, और इसकी कीमत कोना इलेक्ट्रिक से कम होगी। क्रेटा ईवी की एक्सपेक्टेड रेंज 350-400 किलोमीटर के आसपास होने की उम्मीद है। हालांकि, हुंडई ने इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की है।बता दें कि कोना इलेक्ट्रिक को 2019 में लॉन्च किया गया था लेकिन ठीक इसके 5 साल बाद कंपनी ने मॉडल को अपने आधिकारिक वेबसाइट से चुपचाप हटा दिया है। इस कदम को हुंडई की क्रेटा ईवी की तैयारी से जोड़ा जा रहा है, जिसके 2025 की शुरुआत में शोरूम में आने की उम्मीद है।

कोना इलेक्ट्रिक को 25.30 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया था। बाद में कम्पनी इसपर 2 लाख रुपये का डिस्काउंट भी दे रही थी। कोना इलेक्ट्रिक में 100 केडब्ल्यू का इलेक्ट्रिक मोटर लगाया गया है, जो 131 बीएचपी और 395 एनएम का टॉर्क देता है। इसमें 39.2केडब्ल्यूएच की बैटरी लगाई गई है, जिसके फुल चार्ज होने पर 453 किलोमीटर की रेंज मिलती है। कोना इलेक्ट्रिक को भारतीय बाजार में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें से इसकी अधिक कीमत और क्रॉसओवर डिजाइन शामिल था।

एलाइड ब्लेंडर्स के शेयर 14 प्रतिशत तेजी के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की बनाने वाली कंपनी एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स का शेयर 281 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 14 प्रतिशत उछाल के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 13.20 प्रतिशत बढ़कर 318.10 रुपये पर खुला। बाद में यह 14.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 322.40 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 13.87 प्रतिशत की उछाल के साथ 320 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,869.61 करोड़ रुपये रहा। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को` पिछले गुरुवार को बोली के अंतिम दिन 23.49 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ में 1,000 करोड़ रुपये तक का नया निर्गम और 500 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। इसका मूल्य दायरा 267-281 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड ने एंकर (बड़े) निवेशकों से 449 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त राशि में 720 करोड़ रुपये का उपयोग कर्ज के भुगतान के लिए किया जाएगा और एक हिस्सा सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

जून में देश में ईवी वाहनों की बिक्री 14 फीसदी घटी

नई दिल्ली । देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में मई के मुकाबले जून के महीने में 14 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी नीतियों में बदलाव और हाइब्रिड वाहनों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि जैसे कारकों की वजह से ऐसा हो सकता है। अलबत्ता जून 2024 की यह बिक्री पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक रही। तब सब्सिडी में सरकारी बदलावों के कारण बिक्री में गिरावट आई थी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन के आंकड़ों के अनुसार जून 2024 में ईवी की बिक्री मई में की गई 1,23,704 ईवी बिक्री की तुलना में 14 प्रतिशत से भी ज्यादा घटकर 1,06,081 रह गई। यह इस कैलेंडर वर्ष में बिक्री की सबसे कम संख्या है। इस साल अब तक करीब 8,39,545 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए हैं जो कुल बिके 1,25,41,684 वाहनों का करीब 6.69 प्रतिशत है। ईवी के मामले में इस साल और पिछले साल जून सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला महीना रहा है। हालांकि जून 2024 में बड़ा सुधार नजर आया जिसमें 1,23,704 वाहनों का पंजीकरण किया गया जो जून 2023 में पंजीकृत 1,02,645 वाहनों की तुलना में 20.52 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। पिछले साल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अधिकतम सब्सिडी को लगभग 60,000 रुपए से घटाकर लगभग 22,500 रुपए करने के केंद्र सरकार के फैसले की वजह से ईवी की बिक्री में गिरावट आई थी। इस कदम से ई-दोपहिया वाहनों की औसत कीमत में 20 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हो गया जो आम तौर पर 80,000 से 1,50,000 रुपए के बीच होती है।

मारुति सुजुकी की जून में बिक्री 12 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश की वाहन बनाने वाली कंपनी मारुति सुजुकी की जून महीने में कुल थोक बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर 1,79,228 यूनिट रही। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा कि कंपनी की पिछले साल इसी महीने में थोक बिक्री 1,59,418 यूनिट थी। बयान के अनुसार जून में कुल घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री तीन प्रतिशत बढ़कर 1,37,160 यूनिट रही, जून 2023 में यह 1,33,027 यूनिट थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित छोटी कारों की बिक्री जून 2023 में 14,054 इकाइयों से घटकर पिछले महीने 9,395 यूनिट रह गई। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट, टूर एस और वैगनआर सहित कॉम्पैक्ट कार की बिक्री जून में 64,049 यूनिट रही, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 64,471 यूनिट थी। ब्रेजा, एर्टिगा, एस-क्रॉस और एक्सएल6 सहित यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने 52,373 यूनिट रही, जबकि जून 2023 में यह 43,404 यूनिट थी। ईको की बिक्री पिछले महीने 10,771 यूनिट रही, जबकि पिछले साल जून में यह 9,354 यूनिट थी। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 2,758 यूनिट रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,992 यूनिट थी। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने उसका निर्यात 31,033 यूनिट रहा, जबकि जून 2023 में यह 19,770 यूनिट था।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 34.74 अंक , निफ्टी भी 18.10 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बैंकिंग और टेलीकॉम शेयरों में मुनाफावसूली हावी होने से आई है। , आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला और सेंसेक्स ऑलटाइम हाई पर पहुंचा पर इसके कुछ समय बाद ही मुनाफावसूली बढ़ने से बाजार नीचे आने लगा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 34.74 अंक करीब 0.04 फीसदी नीचे आकर 79,441.45 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 18.10 अंक तकरीबन 0.07 फीसदी टूटकर 24,123.85 पर पहुंच गया। इंट्रा-डे (एक ही दिन में शेयर खरीदने के मामले) में यह 94.4 अंक तकरीबन 0.39 फीसदी ऊपर आकर 24,236.35 के शीर्ष स्तर पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और टाइटन के शेयर गिरे जबकि लार्सन एंड टुब्रो, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा स्टील के शेयर ऊपर आये। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में टोक्यो, शंघाई और हांगकांग बढ़कर बंद हुए, जबकि सियोल निचले स्तर पर आया। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। गत दिवस अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी

संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गत दिवस 426.03 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

सेंसेक्स 443.46 अंक यानी 0.56 फीसदी की बढ़त के साथ 79,476.19 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी भी 131.35 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी की हल्की बढ़त के साथ ही 24,141.95 अंक पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर खुले। निफ्टी50 इंडेक्स 95 अंक बढ़कर 24,236 पर और बीएसई सेंसेक्स 364 अंक चढ़कर 79,840 के स्तर पर पहुंच गया। व्यापक सूचकांकों में मिडकैप इंडेक्स 0.26 प्रतिशत और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.58 प्रतिशत बढ़े, जिससे बाजार को सकारात्मक संकेत मिला।

कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा

नई दिल्ली । सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को मंगलवार से 3,250 रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 6,000 रुपये प्रति टन कर दिया है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को शून्य पर बरकरार रखा गया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार नई दरें दो जुलाई से प्रभावी हो गईं। भारत ने पहली बार एक जुलाई 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया और उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। कर दरों की समीक्षा प्रत्येक पखवाड़े पिछले दो सप्ताह की औसत तेल कीमतों के आधार पर की जाती है।

एजेएक्स इंजीनियरिंग ने एआई-संचालित कंक्रीट जीपीटी मंच लांच किया

नई दिल्ली । कंक्रीटिंग उपकरण विनिर्माता कंपनी एजेएक्स इंजीनियरिंग ने कंक्रीट और विनिर्माण उद्योग के लिए एआई-संचालित मंच कंक्रीट जीपीटी पेश किया है। यह कृत्रिम मेधा (एआई) से संचालित मंच अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु, मराठी और कन्नड़ भाषा में काम करता है। कंपनी बयान के अनुसार इसका मकसद विनिर्माण और कंक्रीट विशेषज्ञों को नवीनतम बाजार अंतर्दृष्टि, नवाचारों तथा नियामक संबंधी अद्यतन व विशेषज्ञ-मान्यता प्राप्त तकनीकी जानकारी प्रदान कर उनकी सेवा करना है। एजेएक्स इंजीनियरिंग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमें विश्वास है कि कंक्रीट जीपीटी निरंतर सुधार, सीखने और कौशल उन्नयन की संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करेगा। इससे लोगों को उद्योग की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता से लैस किया जा सकेगा।

रिलायंस का मार्केट कैप 100 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है: मॉर्गन स्टैनली

नई दिल्ली।

देश की अग्रणी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 100 अरब डॉलर तक की बढ़ोतरी हो सकती है। मॉर्गन स्टैनली ने एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया है। तेल से लेकर दूरसंचार तक के कारोबार में सक्रिय रिलायंस इंडस्ट्रीज के पिछले तीन दशकों में चलाए गए मौद्रीकरण चक्रों में शेयरधारकों को दो-तीन गुना मूल्य मिला है। इस दौरान हरेक दशक में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 60 अरब डॉलर से अधिक बढ़ा है। आरआईएल इस सदी के अपने चौथे मौद्रीकरण दौर में है। ब्रोकरेज कंपनी मॉर्गन स्टैनली ने कहा` कि मौद्रीकरण 4.0 अलग है, इसे कारोबार में तेजी, घरेलू मांग और कम प्रतिस्पर्धा से समर्थन मिल रहा है। वर्ष 1997 के बाद से आरआईएल के चौथे मौद्रीकरण दौर में बाजार पूंजीकरण में 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक की वृद्धि होनी चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक पूंजीकरण में वृद्धि होने की मुख्य वजह रिलायंस की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि, पूर्ण एकीकरण और कंपनी व्यवसाय को नया स्वरूप देने पर हर बार निवेशकों की अपेक्षाओं से अधिक प्रदर्शन करने की इसकी क्षमता रही है। यह मौद्रीकरण 2021-23 में 60 अरब डॉलर के निवेश के बाद हुआ है, जो आरआईएल के लिए 1990 के दशक के बाद सबसे छोटा निवेश चक्र था। मॉर्गन स्टेनली को उम्मीद है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज की आय वित्त वर्ष 2023-24 से लेकर 2025-26 के दौरान 12 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ेगी, जिसमें सभी क्षेत्रों से आय में तेजी आएगी। ब्रोकरेज कंपनी ने कहा ` कि नई ऊर्जा, उच्च दूरसंचार शुल्क, रासायनिक कारोबार के मार्जिन जैसे नए राजस्व धाराओं को वितरित किए जाने के बाद इसने महत्वपूर्ण बाजार पूंजीकरण परिवर्तन देखा है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बेंगलुरू में 2,000 से ज्यादा फ्लैट बेचे

नई दिल्ली । गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के दोरान बेंगलुरू में अपनी नई आवासीय परियोजना में 3,150 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 2,000 से ज्यादा मकान बेचे हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड-बुडिगेरे क्रॉस स्थित गोदरेज वुडस्केप्स परियोजना में 3,150 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री बुकिंग हासिल की है। कंपनी ने कहा कि मूल्य और बिक्री की मात्रा के संदर्भ में यह गोदरेज प्रॉपर्टीज की अभी तक की सबसे सफल पेशकश रही। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दक्षिण भारत गोदरेज प्रॉपर्टीज के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। हमारा लक्ष्य आने वाले वर्षों में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करना है। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी डेवलपर में से एक है।

50+
AGENTS

BUYING OR SELLING A PROPERTY?

LET'S WORK TOGETHER!

Buying or selling a property can be a stressful process if you don't have the right real estate agent. With 25 years of experience, you can rely on us to get you the best possible result.

propre
Luxury Real Estate

CONTACT:

INFO@PROPRELUXURYREALESTATE.COM
+91 9871577057
@PROPRELUXURYREALESTATE.COM

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in